फाल्गुन माह , कृष्ण पक्ष 21 वर्ष, अंक 32 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 24 फरवरी 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

प्रत्याशियों के साथ कई दिग्गजों की साख दांव पर

यूपी: वोटरों का जोश हाई

यूपी चुनाव: चौथे चरण में पांच बजे तक 57.45 फीसदी मतदान

नई दिल्ली/लखनऊ: उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में नौ जिलों की 59 सीटों पर मतदान खत्म हो गया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक शाम पांच बजे तक 57.45 फीसदी वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा 62.45 फीसदी मतदान लखीमपुर खीरी जिले में हुआ। उन्नाव जिले में सबसे कम 54.12 फीसदी मतदान हुआ है। 2017 में इन 59 सीटों पर 62.69 फीसदी वोट पड़े थे।

किस जिले में कितना मतदान: शाम पांच बजे तक लखीमपुर जिले में सबसे ज्यादा 62.45 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दूसरे नंबर पर पीलीभीत जिला रहा। यहां के 61.42 फीसदी मतदाताओं ने शाम पांच बजे तक वोट डाला। तीसरे नंबर पर रायबरेली जिला रहा। यहां के 58.32 फीसदी मतदाता शाम पांच बजे तक वोट

डाल चुके थे। चौथे चरण में शामिल नौ जिलों में से 2017 में सीतापुर जिले में सबसे ज्यादा 68.66 फीसदी वोटिंग हुई थी। वहीं, लखनऊ जिले में सबसे कम 58.45 फीसदी वोटिंग हुई थी। जिन 59 सीटों पर मतदान हो रहा है उनमें सीतापुर जिले की महमूदाबाद सीट पर सबसे ज्यादा 72.41 फीसदी मतदान हुआ था। वहीं, लखनऊ जिले की लखनऊ कैंट सीट पर सबसे कम 50.89 फीसदी मतदान हुआ था। यूपी में जिन नौ जिलों में चौथे चरण का मतदान हुआ, उनमें बांदा, फतेहपुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, पीलीभीत और उन्नाव शामिल हैं। इन जिलों की 59 सीटों पर कुल 624 प्रत्याशी मैदान में थे। वोट भले ही इन प्रत्याशियों के लिए पड़े, लेकिन इस चुनाव में प्रत्याशियों के अलावा कई दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है।

प्रत्याशियों के साथ इन दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा भी दांव पर: सोनिया गांधी : कांग्रेस की अध्यक्षा सोनिया गांधी के सामने सबसे बड़ी चुनौती रायबरेली की सीटों पर जीत हासिल करने की है। पिछली बार रायबरेली की दो सीटें कांग्रेस के कब्जे में गईं थीं, लेकिन इस बार दांव उलटा है। रायबरेली की विधायक अदिति सिंह ने कांग्रेस छोड़कर अब भाजपा का दामन थाम लिया है। ऐसे में सोनिया और कांग्रेस की पूरी टीम वापस इस सीट को जीतना चाहेगी।

राजनाथ सिंह : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ से सांसद भी हैं। ऐसे में लखनऊ की सभी नौ सीटों के अलावा आस-पास यानी रायबरेली और सीतापुर की सीटों को भी जीताने का दबाव है। यही कारण है कि रक्षामंत्री पिछले दो महीने के अंदर करीब 15 दिन लखनऊ और आस-पास के जिलों में सभाएं कर चुके हैं।

स्मृति ईरानी: यूं तो केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी से सांसद हैं, लेकिन अमेठी से सठे रायबरेली में भी उनकी काफी हनक है। राहुल गांधी को अमेठी से हराने के बाद स्मृति की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। ऐसे में रायबरेली की सभी पांच सीटों पर भाजपा की जीत स्मृति की छवि को और मजबूत बना सकती है।

प्रियंका गांधी: रायबरेली सीट पर सोनिया गांधी ने केवल एक बार वर्चुअल रैली के जरिए प्रचार किया, लेकिन उनकी बेटी और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने खूब समय दिया। यही कारण हे कि रायबरेली और आस-पास की सीटों को जीतवाने का प्रियंका पर भी काफी दबाव है।

ईवीएम के बटन पर फेवीक्विक डालने का आरोप

लखीमपुर खीरी: उत्तर प्रदेश में चौते चरण का मतदान हुआ। इसी चरण में बीते साल अक्तूबर से चर्चित लखीमपुर खीरी जिले की भी सभी विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। मतदान के बीच में लखीमपुर खीरी की सदर सीट एक बूथ से ईवीएम मशीन से छेड़छाड़ की खबर आई। सदर सीट के कादीपुरसानी गांव में ईवीएम में शरारती तत्वों ने फेवीक्विक डाल दिया। सपा प्रत्याशी उत्कर्ष वर्मा का कहना है कि सपा के बटन को चिपकाया गया है। जिसको लेकर हंगामा हुआ और मतदान बाधित रहा।

जहां किसानों पर गाड़ी चढ़ाई वहां सबसे अधिक वोटिंग

लखनऊ: उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के 9 जिलों की 59 सीटों पर मतदान हुआ। इसमें अब तक वोटिंग का ट्रेंड चौंकाने वाला है। उन सीटों पर सबसे ज्यादा वोट पड़ रहे हैं, जहां किसान, एमएसपी और खनन जैसे मुद्दे अहम हैं। उन सीटों पर कम वोट पड़े हैं, जहां से वीआईपी उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे। इसके अलावा 6 सीटें ऐसी हैं, जिन पर वीआईपी उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। यहां चेहरे महत्वपूर्ण होने के बावजूद लोग मतदान में अधिक हिस्सेदारी नहीं कर रहे हैं।

एनसीपी नेता नवाब मलिक गिरफ्तार

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद से कनेक्शन का आरोप, उद्धव के मंत्री ने कहा- समन देने के बहाने उठाया, पवार के घर हुई इमरजेंसी मीटिंग

मुंबई: महाराष्ट्र के राज्य सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रवक्ता नवाब मलिक को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें अंडरवर्ल्ड से रिश्तों के आरोप में पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। उनका नाम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर ने लिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम बुधवार सुबह 7.45 बजे पूछताछ के लिए उन्हें लेकर मुंबई स्थित दफ्तर पहुंची थी। मलिक की

गिरफ्तारी के बाद एनसीपी चीफ शरद पवार के घर सिल्वर ओक पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मीटिंग चल रही है। इसमें डिप्टी सीएम अजित पवार, मंत्री हसन मुश्रीफ, जयंत चौधरी, राजेश टोपे शामिल हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में नवाब मलिक अधिकारियों का सहयोग नहीं कर रहे थे, इसी कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया है। मलिक को अरेस्ट कर ईडी की टीम अस्पताल ले गई, जहां उनकी मेडिकल जांच कराई गई। इसके बाद उन्हें स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। एऊकी ओर से एडिशनल सोलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने मजबूती से पक्ष रखा।

माल्या, मोदी और चोकसी मामले में बैंकों को मिले 18 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी की जब्त संपत्ति से बैंकों को 18,000 करोड़ रुपये मिले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए के प्रावधानों को चुनौती देने की याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकार ने यह जानकारी दी। इस दौरान केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में प्रावधानों का बचाव किया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट इस पर लंबी सुनवाई कर रहा है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के मामलों में 67,000 करोड़

रुपये के मामलों के केस सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं।

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 4,700 पीएमएलए मामलों की जांच: सुनवाई के दौरान केंद्र ने कहा कि विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी मामले में इनकी संपत्तियां जब्त कर बैंकों को 18,000 करोड़ रुपये लौटाए गए हैं।

हिमाचल विधानसभा का बजट सत्र आरंभ

शिमला: हिमाचल प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र बुधवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के अभिभाषण के साथ आरंभ हो गया। बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में प्रदेश सरकार की बीते चार साल की उपलब्धियों को गिनाया और उम्मीद जताई कि सदन राज्य के लोगों को हित और प्रदेश को विकास व खुशहाली की राह पर आगे ले जाने के लिए सरकार के प्रयासों को पूर्ण सहयोग देगा। उन्होंने सदस्यों से सदन की उच्च परंपराओं को बनाए रखने का भी आह्वान किया।

बुमराह, राहुल और पंत टीम का भविष्य: रोहित

लखनऊ टीम इंडिया और श्रीलंका के बीच 24 फरवरी से टी-20 सीरीज का आगाज होने वाला है। इससे पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और ऋषभ पंत को आने वाले समय में कप्तान बनने के लिए एकदम परफेक्ट बताया है।

तीनों फॉर्मेट का कप्तान बनना गर्व की बात: रोहित शर्मा को टेस्ट टीम का नया कप्तान बनाया गया है। वह श्रीलंका सीरीज में पहली बार टेस्ट में टीम इंडिया की कप्तानी संभालते नजर आएंगे। तीनों फॉर्मेट का कैप्टन बनाए जाने के बाद हिटमैन ने कहा- तीनों फॉर्मेट में भारत की कप्तानी करना बड़े सम्मान की बात है और ये एक शानदार अहसास भी है। अभी बहुत सारी चुनौतियां हमारे सामने हैं। मुझे टेस्ट की कप्तानी का मौका मिला है, इससे मैं खुश हूं।

बुमराह, राहुल और पंत टीम का भविष्य: श्रीलंका टी-20 और टेस्ट सीरीज के लिए जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान बनाया गया है। इस पर रोहित ने कहा- इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह बल्लेबाज है या गेंदबाज।

यूक्रेन में धड़धड़ाते रूसी टैंकों से लोगों की धड़कनें तेज

रूसी बॉर्डर से सटे शहरों से भाग रहे लोग, सोशल मीडिया पर शेयर हो रहे वीडियो से बढ़ा खौफ

कीव: रूस और यूक्रेन के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुका है। इस बीच रूसी टैंकों के यूक्रेन में घुसने से लोगों की घबराहट और बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर लगातार शेयर हो रहे वीडियो में खौफ का माहौल साफ दिख रहा है। बॉर्डर से सटे इलाकों से लोग यूक्रेन में अंदर की तरफ भाग रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने अहम बैठक बुलाई है, जिसमें आगे की रणनीति पर फोकस किया जाएगा।

पुतिन के भाषण पर थीं यूक्रेनी जनता की भी निगाह: यूक्रेन के

लोगों की नजरें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के भाषण पर गड़ी थीं और उनकी धड़कन भी तेज हो रहीं थीं। खौफ का ऐसा माहौल है कि लोग सो नहीं पा रहे हैं। एक तरफ रूस के टैंक और भारी सैन्य साजो सामान धड़धड़ाते हुए यूक्रेन की सीमा में घुस रहे हैं और दूसरी तरफ अब तक धैर्य रखे यूक्रेन के लोग एक-दूसरे से पूछ रहे हैं कि आगे क्या होगा। राजधानी कीव में मौजूद एक अंतरराष्ट्रीय पत्रकार बताते हैं, "घटनाक्रम बहुत तेजी से बदला है। आम लोग अब परेशान नजर आ रहे हैं।

सड़कें खाली हैं और लोगों की नजरें टीवी चैनलों पर टिकी हैं। रूस की सीमा से सटे खार्कीव और दूसरे शहरों में अफरातफरी का माहौल है। लोग पश्चिम की तरफ पलायन कर रहे हैं। मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले विदेशी छात्र देश लौट रहे हैं।

गुजरात में कोयला घोटाला, अधिकारी बोले- नो कमेंट्स

खदानों से निकला 60 लाख टन कोयला रास्ते में गायब

गांधीनगर: गुजरात में करीब 6,000 करोड़ रुपए का कोयला घोटाला सामने आया है। बीते 14 साल में गुजरात सरकार की कई एजेंसियों ने राज्य की स्मॉल और मीडियम लेवल इंडस्ट्रीज को कोयला देने के बजाय इसे दूसरे राज्य के उद्योगों को ज्यादा कीमत पर बेचकर 5 हजार से 6 हजार करोड़ रुपए का घोटाला किया है। कोल इंडिया की विभिन्न कोयला खदानों से निकाला गया कोयला उन उद्योगों तक पहुंचा ही नहीं, जिनके लिए उसे निकाला गया था। जब सरकारी विभाग के अधिकारियों, कोयला ट्रांसपोर्ट सिस्टम से जुड़े अधिकारियों से कोयले के गायब होने की हकीकत पता लगाने की कोशिश की, तो सभी ने 'नो कमेंट' कहकर चुप्पी साध ली।

मिले दस्तावेज, 60 लाख टन कोयला भेजने की एंट्री: दस्तावेजों के मुताबिक, अब तक कोल इंडिया की खदानों से गुजरात के व्यापारियों, छोटे उद्योगों के नाम पर 60 लाख टन कोयला भेजा गया है।

ऑफलाइन ही होगी 10वीं-12वीं की परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की रोक लगाने की मांग; सीबीएसई, आईसीएसई समेत सभी राज्यों के बोर्ड एग्जाम पर दिया फैसला

नई दिल्ली: देश भर में 10वीं और 12वीं कक्षा के स्टूडेंट्स के लिए बोर्ड परीक्षा ऑफलाइन मोड में ही आयोजित होगी। ऑफलाइन परीक्षाओं को रद्द करने की मांग वाली याचिका बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। सुनवाई के दौरान जस्टिस ए.एम. खानविलकर ने कहा कि इस तरह की याचिका पब्लिसिटी पाने के लिए दायर की जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसी याचिकाओं से स्टूडेंट्स में भ्रम की स्थिति बन जाती है। कोर्ट ने इस तरह की याचिका दायर करने पर रोक लगाने के लिए कहा। याचिका में सीबीएसई, आईसीएसई समेत सभी राज्यों के तरफ से आयोजित की जाने वाली ऑफलाइन यानी फिजिकल बोर्ड

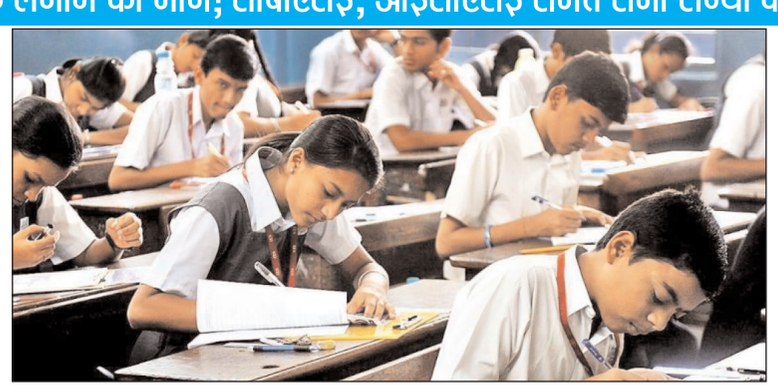

एग्जाम को रद्द करने की मांग की गई थी। इस मामले में कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई की अपील मंजूर की थी। इसके बाद जस्टिस ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका की अग्रिम प्रति केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के स्थायी वकील और अन्य प्रतिवादियों को देने का निर्देश दिया था। पीठ ने बुधवार को इस याचिका पर सुनवाई की और फिजिकल बोर्ड एग्जाम ही कराने में किसी तरह की अड़चन नहीं होने की बात मानी। इसके बाद याचिका को खारिज कर दिया।

ऑफलाइन क्लासेस नहीं चलीं तो फिर ऑफलाइन परीक्षा क्यों?: याचिकाकर्ता के वकील ने मंगलवार को कोर्ट में कहा कि कोरोना केस घटने के बावजूद ऑफलाइन कक्षाएं आयोजित नहीं की गई। वहीं, कक्षाएं भी पूरी नहीं हुई हैं तो फिर ऑफलाइन परीक्षाएं कैसे आयोजित की जा सकती हैं? इन्हें रद्द करना चाहिए और वैकल्पिक मूल्यांकन प्रक्रिया तैयार की जानी चाहिए।

अब बघेल के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे टिकैत

नवा रायपुर: छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में पिछले 52 दिनों से चल रहे किसान आंदोलन में अब किसान नेता राकेश टिकैत की भी एंट्री हो गई है। उत्तर प्रदेश का चुनावी शोर थमने के बाद टिकैत किसानों के समर्थन के लिए छत्तीसगढ़ कूच करेंगे। हालांकि किसानों के मुद्दे को लेकर उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार से भी फोन पर बात की है। इस बीच किसान नेताओं ने कहा कि अगर बघेल सरकार हमारी मांगें नहीं मानती है तो हम आंदोलन तेज करेंगे। अगली बार से दूसरे राज्यों के हर चुनाव में जहां-जहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जाएंगे वहां-वहां हम

लोग जाकर कांग्रेस सरकार की हकीकत बताएंगे। दरअसल, नया रायपुर स्थित मंत्रालय भवन के ठीक सामने दिल्ली की तर्ज पर 27 गांव के लगभग 7000 किसान अपनी मांग को लेकर अड़े हुए हैं। इन किसानों को देशभर के दूसरे किसान संगठनों का पुरजोर समर्थन भी मिल रहा है। किसान संगठनों की मांग है कि छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर के विकास में सहयोग देने वाले गांव के प्रभावित सभी किसानों को पुनर्स्थापन मिले, चाहे वे भूस्वामी हों या भूमिहीन।

खबर संक्षेप

सपा प्रत्यासी राम निडर कोल के समर्थन में जन संपर्क

कोराव। समाजवादी प्रत्याशी रामदेव निडर कोल के साथ में पूर्व जिला पंचायत सदस्य ललन सिंह पटेल जिला सचिव राजेश पांडेय सूमन कोल जिला पंचायत सदस्य श्याम भूषण शुक्ला पूर्व प्रधान रविंद्र जैसल प्रधान सुभाष प्रमोद मिश्रा पयासी आशीष मिश्रा विधानसभा उपाध्यक्ष अयोध्या बरहूला सलैया पांडेपुर केडवर झरवनिया श्रीरावल आदि गांवो का जन संपर्क करते हुए कहा कि लड़ाई भ्रष्टाचार बनाम किशान है। लोगों ने कहा कि अयोध्या पुल त्रिपल हत्या सहित अन्य जगहों पर जो हत्या हुई हैं सरकार बनने पर उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी।

गुंडों की सरकार चाहिए या माफिया साफ करने की : जेपी नड्डा

अखंड भारत संदेश

जनसभा के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व अन्य नेता

हनुमानगंज। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के तिलक इंटर कॉलेज कोटवा के प्रांगण में बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों को तय करना है कि गुंडा माफियाओं की सरकार चाहिए या फिर माफियाओं को साफ करने की सरकार चाहिए यह तय करने का अधिकार आपका है उन्होंने अपने 40 मिनट के उद्बोधन में यह कहा कि छाती ठोक कर जनता के बीच में जाकर किए गए विकास कार्यों को अगर कोई गिना सकता है तो सिर्फ भारतीय जनता पार्टी का नेता ही हो सकता है उन्होंने जनता से फूलपुर के प्रत्याशी प्रवीण पटेल के लिए वोट मांगे इसके अतिरिक्त उन्होंने केंद्र सरकार की तमाम उपलब्धियों के बारे में बताया कहा कि इस साल के बजट में देश के प्रधानमंत्री ने युवाओं को 60 लाख नौकरियां एक वर्ष मे देना तय किया है और भाजपा को गरीब किसान दलित युवाओं के हित में कार्य करने वाली पार्टी बताया उन्होंने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि दंगाइयों को घर में दावत देते थे अखिलेश। उनकी सरकार में मुजफ्फरपुर के दंगे में कितने लोग मारे गए और कितनों को घर छोड़कर भागना पडा.था। पूरीतरह से विफल थी अखिलेश सरकार वहीं कैराना में 60 परिवार के लोग घर छोड़कर चले गए थे गोरखपुर के गोलघर मैं 22 मई 2007 को एक साथ तीन बम ब्लास्ट हुआ था जिसमें 15 लोग मारे गए करीब 50 लोग घायल हुए इसके अतिरिक्त गोरखपुर के गोलघर में एक साथ तीन बम ब्लास्ट वाराणसी के संकटमोचन मंदिर में अयोध्या के कचहरी में सरोजिनी नगर नई दिल्ली लखनऊ की कचहरी सहित कई बम ब्लास्ट सपा के शासनकाल में हुए थे।उन्होंने यह भी कहा कि सपा के शासनकाल में पूरे प्रदेश में माफिया बाहुबली-दन दनाते थे लेकिन अखिलेश ने आंखों में पट्टी बांध रखी थी और प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद से सारे माफिया बाहुबली जेल में बंद हैं यह अंतर है। उन्होंने यह भी कहा 2019 में आप लोगों ने फूलपुर की सांसद केसरी देवी पटेल को आप लोगों ने जीता कर सदन में भेजा मोदी के हाथों को मजबूत किया जिससे जम्मू कश्मीर में धारा 370 को धराशाई करने का ताकत आप लोगों ने दिया 2करोड़ बेटियों को पढ़ाई के लिए स्कूटी और युवकों को लैपटॉप वितरण किया जाएगा इस दौरान विधायक प्रवीण पटेल ने भी क्षेत्र में किए गए कार्य और विकास के बारे में लोगों को बताया और सरकार बनने पर जनता को और विकास की गति तेजी के साथ करने को बताया इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के गंगा पार जिला अध्यक्ष अश्वनी कुमार द्विवेदी अमरनाथ यादव अमरनाथ तिवारी प्रभात कुमार पांडे शिव शंकर तिवारी अमरेश तिवारी सुरेंद्र तिवारी आत्मा धर दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

हाइड्रोपोनिक तकनीक के द्वारा फसलों का उन्नत उत्पादन एवं प्रबंधन पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

जसरा। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना द्वारा स्वीकृत एवं जीव विज्ञान विभाग शुआट्स एवं अलेक्स फाउन्डेशन द्वारा आयोजित कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डा० ए० ए० ब्रोडवे निदेशक प्रसार शुआट्स एवं डा० शैलेश मार्कर निदेशक शोध शुआट्स ने सभी किसानों को अपनी शुभकामनायें दी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हाइड्रोपोनिक तकनीकी के द्वारा फसलों का उन्नत उत्पादन एवं प्रबंधन करने के बारे में जानकारी दी गई। परियोजना अधिकारी डा० प्रदीप शुक्ल ने बताया कि किसानों के लिए परंपरागत खेती के साथ आधुनिक खेती अपनाने का यह उचित समय है। उन्होंने हाइड्रोपोनिक तकनीकी से पौधों के उत्पादन के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि हाइड्रोपोनिक खेती का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है। हमारे कई किसान पारंपरिक खेती को छोड़कर हाइड्रोपोनिक खेती की तरफ जा रहे हैं। इतना ही नहीं हाइड्रोपोनिक खेती में हो रहे मुनाफे ने कइयों की जिंदगी को एकदम बदल दिया है। परंपरागत खेती की तुलना में इस विधि से खेती करने पर कम जगह में अधिक पौधे उगाए जा सकते हैं और पोषक तत्व बर्बाद नहीं होते। इस्तेमाल किया जाने वाला पोषक तत्व पौधों को आसानी से मिल जाते हैं। इस तकनीक में मौसम जानवरों या किसी अन्य प्रकार के बाहरी जैविक एवं अजैविक कारणों से पौधे प्रभावित नहीं होते हैं। डॉ० गौरव ने किसानों को पौधों की किस्मों, उचित जलवायु, पोषक तत्वों के महत्व एवं रोपाई के सही समय की जानकारी दी। डॉ० गौरव ने बताया कि इस तकनीक के जरिए फसल पानी और उसके पोषण स्तर के जरिए बढ़ती है। जानकारी के अनुसार हाइड्रोपोनिक खेती में पारंपरिक खेती की अपेक्षा मात्र 10 फीसदी पानी की जरूरत पड़ती है। उद्यान विशेषज्ञ डा० मुकेश ने बताया कि हाइड्रोपोनिक तकनीकी द्वारा खेती से किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। इससे पौधे के विकास में जो अनिश्चितता है उसे दूर की जा सकता है साथ ही फसल को इंडोर और आउटडोर भी उत्पादित किया जा सकता है पौधे के विकास के लिए पेस्टीसाइड की कम जरूरत पड़ती है। इस वजह से फसल की गुणवत्ता अच्छी और निरोग होती है । इसे किसी भी सीजन में साल के किसी भी समय में उत्पादित किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ पवन यादव ने किया। अंत में कृषकों की ओर से लालता मौर्य ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिवसेना की जन सभा, आरती कोल का अपमान बर्दाश्त नहीं : शिन्दे

अखंड भारत संदेश

रोड शो, प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले कबिना नगर विकास,पालक मंत्री एक नाथ शिंदे

कोरांव। कोरांव विधान सभा में शिवसेना प्रत्यासी श्रीमती आरती कोल के समर्थन में महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री एक नाथ शिन्दे ने कहा कि कोरांव की जनता को नारी के अपमान का बदला लेना होगा। उक्त बातें प्रेस वार्ता में तथा सभाओं में मंत्री शिंदे ने कही। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आरती कोल का टिकट काट कर उसकी रुसवाई कर जो अपमान,जो नारी का सम्मान खोया है उसका बदला शिवसेना के बैनर तले कोरांव कचुनाव जीत कर खुद लेंगी। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी और संगठन यहां की सरकार से वार्ता कर घृणित कार्य करने वाले लोगों की जांच कराकर विधिक कार्यवाही कराएगी। श्री सिंदे ने कहा कि नारी सशक्ति करण व महिला सम्मान का झूंठा ढिंढोरा पीटने वाली सरकार के विरुद्ध उत्तर प्रदेश के कोरांव से जंग शुरू की है,जिसे भाजपा के झूठे वायदों कारनामों का पदार्फाश कर भविष्य में यूपी की सत्ता से बाहर कर भाजपा का नामों निशान मिटाने का कार्य करेगी। मंत्री ने कहा कि यूपी की जनता महाराष्ट्र में आकर व्यवसाय करती है,उनका सम्मान,और उनके उपचार रोजगार का ध्यान देती है। कोरोना काल में भी यहां की जनता का विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने जनता से धनुष बाण के सामने वाली बटन दबा कर भारी मतों से जीता कर विधा सभा में पहुंचाने की यहां की जनता से अपील किया।श्रीमती आरती कोल प्रत्याशी शिवसेना ने भावुक शब्दों में कहा कि मेरे साथ जो भाजपा ने अन्याय किया है,वह में कभी नहीं भूल सकती,उन्होंने कहा कि मेरे साथ जितना अन्याय किया गया में बयान नहीं कर सकती। किंतु मुझे आप लोग जीवन दान देने का काम करें।वार्ता एवम जन सभा में राजन विचारे सासंद,गुलाब दूबे,राष्ट्रीय संगठक शिवसेना, विक्रम प्रताप सिंह नगर सेवक,राजेश सिंह सोमवंशी,अनिल सिंह प्रमुख शिवसेना यूपी, कंचन सिंह, चंदा पटेल, धर्म मिश्रा एडवोकेट महाराष्ट्र आदि उपस्थित रहे।

रंगोली और पोस्टर बनाकर मतदान के प्रति बच्चों ने किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

करछना। बुधवार को रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कालेज में बच्चों ने मतदान के प्रति लोगों को जागरूक किया।इस दौरान सभागार में आर्कषक रंगोली सजाते हुए सभी को बूथ पर पहुंचने और अपने मन चाही बटन को दबाकर स्वस्थ लोकत्रंत और स्वच्छ सरकार चुनने की अपील की।लोकत्रंत का यह उपहार अपना मत अपनी सरकार।मानव सती के तीन है काम शिक्षा सेवा और मतदान।बहकावे में कभी न आना,सोच समझकर बटन दबाना।जागरूक देश की यही पहचान जहां हो शतिप्रतिशत मतदान।जैसे स्लोगन लिखे पोस्टरों से भी बच्चों ने लोगों को अधिक से अधिक मतदान के प्रति प्रेरित किया।प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने रंगोली और पोस्टर की सराहना करते हुए कहा कि जब बच्चे मतदान के प्रति इतने सजग हैं तो बड़े लोगों को भी इस संदेश को अपनाते हुए बूथ पर पहुंचकर सबसे पहले मतदान करने की जरूरत है।शिक्षकों ने बच्चों को इसके प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि घर जाकर वे पास पड़ोस के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें।इस मौके पर प्रभारी विजय सिंह,सुरेश कुमार,विश्वेश ओझा,रमेश तिवारी,कमलाशंकर त्रिपाठी,अशोक सिंह समेत कई शिक्षक,कर्मचारी और बच्चे मौजूद रहे।

वाचस्पति से यदि गलती हुई हो तो माफ करो, साईकिल हाथी को साफ करो : डॉ. संजय निषाद

जसरा में निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की जनसभा समय पूर्व उमड़ी भारी भीड़

जसरा। उमड़ते हुए जनसैलाब को रैली कहे या रैला, चौकी पर बैठे चौकीदार है और जमीन पर बैठे जमींदार है। यदि निषादों को जमींदारी चाहिए तो बालू के टालघाट चाहिए तो कप-प्लेट के सामने बाली बटन दबाकर योगी की सरकार बनानी होगी। 2017 में भाजपा के विरोध में था, क्योंकि सपा-बसपा को खत्म करना था। भोजन भरी थाली को भाजपा-अपना दल के लोग जिता रहे हैं। इस लिए आप लोग कप-प्लेट को जिताओ "वाचस्पति से यदि गलती हुई हो तो माफ करो, साईकिल हाथी को साफ करो" हमारा संकल्प है हाथी साइकिल को भगाना है, कप प्लेट पर बटन दबाकर योगी सरकार बनाना है। उक्त बातें बारा विधानसभा में श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा मैदान में बुधवार को दोपहर भारतीय जनता पार्टी,अपना दल (एस) और निषाद राज पार्टी के संयुक्त प्रत्याशी वाचस्पति के समर्थन में निषाद राज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए कही। श्री निषाद ने बताया जब राम के पास सेना नहीं थी तो निषाद राज की सेना ने लंका पर विजय प्राप्त की थी और रावण का अंत हुआ था। आज फिर निषाद राज की सेना तैयार है और रावण रूपी सरकार सपा-बसपा और कांग्रेस साफ हो गई। जो हाथी गांव के दलित की नहीं हुई,जो साइकिल गांव के यादव का नहीं हुआ वह हमारा आपका कैसे हो सकता है। योगी जी ने माफियाओं और गुंडाराज भूमाफियाओं को खत्म कर दिया। इन्होंने नदियों के किनारे के जमीनों को हड़पा था। पहले नौकरियों के लिए लखनऊ से पर्चियां आती थी। आज योगी मोदी ने भेदभाव को समाप्त कर दिया है। आज मुसलमान योगी मोदी के नाम पर वोट दे रहा है। वाचस्पति को जिताएं और आपकी सारी मांगे पूरी होगी। यह मैं आपसे वादा करने आया हूं। कार्यक्रम का संचालन दिलीप चतुर्वेदी ने किया। इसके पूर्व संयुक्त प्रत्याशी बाचस्पति और पूर्व जिलापंचायत अध्यक्ष कौशाम्बी मधु बाचस्पति,विजय कुमार निषाद संयोजक, रामटहल जिलाध्यक्ष निषाद पार्टी, भाजपा विधानसभा प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद पांडेय, सह प्रभारी सुभाष केशरी, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी,अपना दल जिलाध्यक्ष वृजेश पटेल, उपाध्यक्ष इन्द्र जीत पटेल ने बड़ी माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। प्रत्याशी वाचस्पति ने अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया। सभा को भाजपा विधानसभा प्रभारी राजेंद्र प्रसाद पांडेय, सुभाष केशरी, दिलीप कुमार चतुर्वेदी,इन्द्रजीत महराज, रामचंद्र निषाद, संतोष निषाद राकेश निषाद, मनोज बिंद,रिंकू, गुड्डू पटेल, जवाहर लाल पटेल, लाल चंद पटेल, सुभाष सिंह पटेल, चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, बालगोविंद भारती,मंडल अध्यक्ष जगत शुक्ला आदि ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर भारी संख्या में निषाद पार्टी,अपना दल, भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

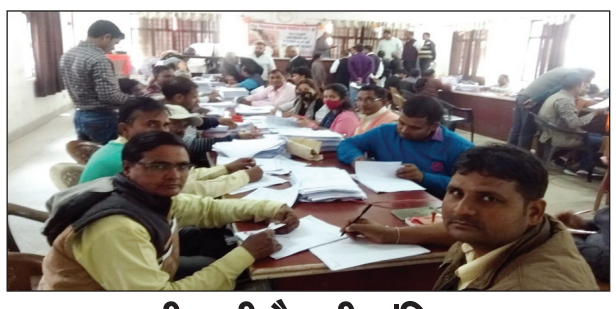

मतदाता सीट की तैयारी अंतिम पड़ाव पर

सोरांव। जैसे-जैसे विधान सभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। वैसे- वैसे चुनाव संबंधी अभिलेखीय कार्य जोरों पर चल रहा है। इसी को लेकर तहसील सोरांव अंतर्गत विधान सभा फाफामऊ व सोरांव की अभिलेखीय तैयारियां कानूनगो अपर्णा श्रीवास्तव व कानूनगो जय प्रकाश के देखरेख में संगम सभागार में युद्ध स्तर पर चल रही है। मिली जानकारी के अनुसार 17 फरवरी से 23 फरवरी तक तहसील अंतर्गत पांचों ब्लाकों सोरांव, मऊआइमा, होलागढ़, श्रींग्वेरपुर, तथा कौड़िहार के ग्राम विकास/पंचायत अधिकारियों सफाई कर्मचारियों लेखपालों आदि की ड्यूटी सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक मतदाता सूची की तैयारियों हेतु कार्य अनवरत चल रहा है। जिसमे सभी बूथ स्थलों के भागों की 10 सेट कापियां बनाई जा रही है। तथा चारों राजनीतिक पार्टियों की ज्यादातर कापियां बनाई जा चुकी है। वहीं पर ग्राम पंचायत अधिकारी अन्नपूर्णा शुक्ला का कहना है कि मतदान हमारे संवैधानिक और नैतिक अधिकारों की कड़ी में एक प्रमुख प्रक्रिया है। इसके चलते हम लोकतंत्र में अपने मनचाही सरकार और जनप्रतिनिधियों को चुनने का पावन कार्य करते हैं। आप सभी मतदाताओं को चाहिए कि अधिक से अधिक मतदान के प्रति अपने घर और पास पड़ोस के लोगों को जागरूक करें। इस मौके पर सुबह से शाम तक अपने कार्य का जिम्मेदारी से निर्वाहन करते सभी अधिकारी व कर्णचारीगण मौजूद हैं। इस मौके पर ग्राम पंचायत अधिकारी रितुप्रिया संग मिलकेश कुमार,बनवारी लाल,शिव बहादुर, सुनील कुमार यादव, आनन्द यादव(कंप्यूटर ऑपरेटर), नरेश कुमार,प्रमोद कुमार गुप्ता,फूलचंद्र, धर्मेंद्र कुमार, अनिल कुमार, जीतलाल संग सैकड़ों कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे।

आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरूंगा यह मेरा आपसे वादा है : राकेश धर त्रिपाठी

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना दल भाजपा निषाद पार्टी गठबंधन प्रत्याशी पूर्व मंत्री डॉ राकेश धर त्रिपाठी द्वारा क्षेत्र के विभिन्न गांवों सराय हरिराम, पिडौना, रस्तीपुर, नेदुला, पतवां, भूलेंद्र, महरछा, चनेथू गांव में जनसंपर्क करके केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताया गया और प्रतापपुर के सर्वांगीण विकास हेतु मतदान के लिए अपील किया कहा कि आप लोगों के उम्मीदों पर खरा उतरूंगा और मेरे द्वारा प्रतापपुर एक आदर्श विधानसभा बनेगा यह मेरा दृढ़ संकल्प है। ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल रस्तीपुर में आयोजित कार्यक्रम के आयोजक विद्यालय के प्रबंधक एवं निवर्तमान प्रधान सतीश पांडेय द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।इस अवसर पर गोरखनाथ पांडेय पूर्व सांसद, शैलेश यादव ब्लॉक प्रमुख, पूर्व प्रमुख सुशीला सरोज, श्याम बिहारी पांडेय, रविंद्र सिंह, खिलाडी दुबे, विवेक सिंह, दीपू सिंह, विजयनाथ तिवारी, चंचल शुक्ला, संतोष पांडेय, हर्षित त्रिपाठी, संतोष सिंह, दयाशंकर सिंह, झब्बर सिंह, अभिषेक सिंह, डीएम सिंह , भोला गुप्ता, फूलचंद्र गुप्ता, युवराज सिंह, संतोष हरिजन, रानू सिंह, विक्रम सिंह, विनय मौर्या, विवेक उपाध्याय, सौम्या मिश्रा, रवि केशरी, राजीतराम यादव पूर्व प्रधान मीरपुर सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कानून राज्य मंत्री ने भाजपा प्रत्यासी के समर्थन में उतरे

कोराव। भाजपा प्रत्याशी राजमणि कोल के समर्थन में केंद्रीय कानून राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल ने भगेसर में जनसभा को सम्बोन्धित किया। मंत्री ने कहा कि चुनाव सुशासन बनाम अखिलेश का गुंडाराज है, अखिलेश राज में जवाहर बाग जैसी घटनाएं होती है, देश मे तमाम सरकारे आई किंतु किसी की नजर गरीबो के आवास और इज्जत घर पर नही गई। यह मोदी सरकार ही है जो प्रधानमंत्री आवास और इज्जत घर का ख्याल रखा 19 महीनों से निरन्तर मुफ्त अनाज बाटने का काम केवल योगी और मोदी सरकार ही कर सकती है।

कांग्रेस प्रत्यासी रामकृपाल कोल को भारी मतों से जिताएं : वर्षा गायकवाड़

अखंड भारत संदेश

कोरांव के रोड शो में महाराष्ट्र की शिक्षा मंत्री वर्षा एकनाथ गायकवाड़ ने किया जनसंपर्क

कोरांव। कोरांव विधान सभा में कांग्रेस प्रत्यासी रामकृपाल कोल के समर्थन में महाराष्ट्र सरकार की शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने पूरे नगर पंचायत कोरव में पैदल यात्रा कर कांग्रेस उम्मीदवार रामकृपाल के लिए वोट मांगा। और लेंडियारी रत्यौरा कर्पिया देवीबांध में आयोजित जन सभाओं में कहा कि कांग्रेस की सरकार में ही किसानों का कर्ज माफ हुआ था और इस बार भी कर्ज माफ होगा। सरकार बनने पर कहा की किसानों का अन्न गेहूं धान 2500 रुपए कुंतल क्रय किया जायेगा। और बेरोजगारों का हित होगा। महिलाएं सुरक्षित होंगी। उन्होंने कहा कि यूपी में प्रतिदिन बलात्कार हत्याएं हो रही हैं। मंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार चंद दिनों की मेहमान है। इसी प्रकार रामजन बेन्नजाम विधायक चित्रकोट, छत्तीसगढ़ केंद्रीय पर्यवेक्षक ने कहा कि काफी दिनों से कोरांव में मैं भ्रमण कर देख रहा हूं। और आप लोग रामकृपाल जी को जीता रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि ये जीतते है तो मूल भूत समस्याओं का समाधान ईमानदारी से होगा। भाजपा सरकार ने सिर्फ जाति धर्म के नाम पर देश प्रदेश को ठगा है।इसी प्रकार रामकृपाल कोल प्रत्यासी ने कहा कि सर्व समाज के लोग मुझे समर्थन दे रहे हैं,उनका शुक्र गुजार हूं। इसी तरह पूर्व ब्लॉक प्रमुख राम अवध कुशवाहा उमाशंकर सिंह पटेल,मोतीलाल कुशवाहा,शंकर लाल कोल, रामनारायण मौर्य,गुनई कोल,शिबबालक कोल,आशाराम मिश्र,बबलू शुक्ल,अनिल मिश्र, राजित राम भूर्तिया,सहित काफी लोग काफी लोग शामिल रहे।

जाति धर्म पर नहीं स्कूल और अस्पताल के नाम पर वोटिग करें मतदाता : नेहा सिंह

करछना। आम आदमी पार्टी की जिला उपाध्यक्ष नेहा सिंह ने करछना गाँव में आप के करछना वि. स .से प्रत्याशी जगन्नाथ पटेल के पक्ष में झाड़ू चुनाव चिन्ह पर डोर टू डोर जाकर मतदान करने की अपील की व लोगों को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिये प्रेरित किया।नेहा सिंह ने कहा की आप पार्टी विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है। अच्छी शिक्षा, अच्छा ईलाज, फ्री पानी, फ्री बिजली, 5,000 बेरोजगारों को प्रतिमाह सम्मान राशि, 18 वर्ष से ऊपर महिलाओं को 1000 पेंशन प्रतिमाह, महिलाओं को फ्री यात्रा, बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा, डोर स्टेप डिलिवरी, हर गाँव में मोहल्ला क्लिनिक, भ्रष्टाचार मुक्त आदि मुद्दों पर विधानसभा का चुनाव लड़ रही है। अगर आप चाहते हैं की एक ईमानदार सरकार आये तो इस बार जाति व धर्म के नाम पर नहीं बल्कि स्कूल व अस्पताल के नाम पर वोट करे।

सबका साथ हमारा प्रयास प्रतापपुर का हो विकास : घनश्याम पांडेय

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के अनुवां, चंपापुर, भेलखा, वारी, सरायममरेज, भदारी, मियांपुर सहित तमाम गांव में जनसंपर्क करते हुए बसपा प्रत्याशी इंजीनियर घनश्याम पांडेय ने कहा कि प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में सर्वसमाज को साथ लेकर क्षेत्र की हर समस्या का समाधान करना हमारा लक्ष्य एवं दृढ़ संकल्प है क्षेत्र का दुख दर्द यहां का निवासी ही समझ सकता है हमारे विधानसभा में बाहर से आकर लोग विधायक, सांसद बन कर चले जाते हैं लेकिन क्षेत्र के विकास से उनको कोई मतलब नहीं रहता और स्वयं के विकास में पूरा 5 साल लगा देते हैं जनता के साथ थोखा करते हैं इसलिए इस बार बाहरी को मौका जनता नहीं देगी और गुंडागर्दी व भ्रष्टचार को मिटाना है हाथी वाला बटन दबाना है। जनता मन बना चुकी है इस बार क्षेत्रीय उम्मीदवार को चुनकर प्रतापपुर को प्रगति की ओर ले जाएगी एवं प्रतापपुर को एक शांतिप्रिय प्रतापपुर बनाने का कार्य करेंगे।

खबर संक्षेप

सीएम योगी आदित्यनाथ का रोड शो कल

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ 25 फरवरी को प्रयागराज आएंगे और रोड शो एवं जनसभा करेंगे , मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोपहर 3 बजे झलवा चौराहे से रोड शो का शुभारंभ करेंगे और यह रोड शो लगभग 500 मीटर की होगी जो राजरूपपुर ,चकिया, लूकरगंज तिराहा, हिम्मतगंज, मछली बाजार, खुल्दाबाद से होते हुए नकाशकोना आएगी और यहीं पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शाम 5:30 बजे शहर दक्षिणी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी नंद गोपाल गुप्ता नंदी और शहर पश्चिमी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी सिद्धार्थ नाथ सिंह एवं शहर उत्तरी के विधानसभा प्रत्याशी हर्षवर्धन बाजपेई के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी एवं पंखुड़ी पाठक का आगमन आज

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी संजय तिवारी के समर्थन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी एवं पंखुड़ी पाठक का आगमन आज सरायममरेज क्षेत्र में 11 बजे हो रहा है यह जानकारी कांग्रेस प्रत्याशी संजय तिवारी ने दिया है और अधिक से अधिक संख्या में लोगों से पहुंचने के लिए अपील किया है।

एक साल से अधिक चले किसान आंदोलन के बाद भी बताना होगा किसको देना है वोट : राकेश टिकैत

देश में मजदूरों की फौज तैयार कर रही बीजेपी, किसानों की तर्ज पर छात्रों के लिए भी होगा महाआंदोलन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को कहा, भाजपा की सरकार ईमानदारी से नहीं, बल्कि बेईमानी से बनेगी। मतगणना वाले दिन सरकार के लोग अपने साथ 15 हजार वोट लेकर जाएंगे। विपक्ष के उम्मीदवारों की गिनती जीरो से शुरू होगी और भाजपा के लोगों की शुरूआत ही 15 हजार वोटों से होगी ' अखंड भारत संदेश के वरिष्ठ पत्रकार से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि जनता भाजपा से नाराज है देश में कानून और इलेक्शन कमीशन नाम की कोई चीज रही नहीं। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में क्या हुआ यह सबने देखा है। जिसके जिले में 2 कैंडिडेट थे अध्यक्ष उनका बना। जेसीबी खड़ी कर दी। सरकार ने कहा कि वोट दो नहीं तो बुलडोजर चलवा देंगे। किया भी वही, जिसने वोट नहीं दिया उसका

अखंड भारत संदेश ऑफिस में पेपर का अवलोकन करते राकेश टिकैत

घर, दुकान, मकान गिरा दिया। ये बुलडोजर वाली सरकार है। तथा श्री टिकैत ने यह भी बताया कि यह कैसी सरकार है मंत्री का बेटा जो किसानों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दिया वह जेल के बजाए 3 महीने में ही बाहर घूम रहा है,क्या सरकार जनता को डराना चाहती है। किसान 1100 रुपए में धान बेचने को मजबूर है और व्यापारी वही धान एमएसपी पर महंगे रेट पर सरकार को बेच देता है। जब किसानों के वोट के सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर किसान आधे रेट पर फसल बेचकर बीजेपी को वोट देना चाहते हैं तो रोका किसने है। जाएं और वोट दें। बिजली बिल पर बात करने को कहा था। कुछ नहीं हुआ। कोई वादा पूरा नहीं किया। देश में झगड़ा-फसाद वाली सरकार नहीं चाहिए। सरकार ऐसी चाहिए जो झगड़ों को सुलझाए।

एमएसपी के नाम पर देश में बड़ा घोटाला : टिकैत

राकेश टिकैत ने कहा कि जमीन छीनने का भी एक बड़ा प्लान चल रहा है। एमएसपी के नाम पर देश में बड़ा घोटाला हुआ है। यह सब जनता देख रही है। इस बार के चुनाव में भाजपा को जवाब मिलेगा। यूपी में किसकी सरकार बनेगी उसको लेकर जब टिकैत से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि विपक्ष मजबूत होना चाहिए योगी जी की भी जीत होनी चाहिए।

किसानों की तर्ज पर छात्रों के लिए भी होगा महाआंदोलन

राकेश टिकैत ने छात्रों के लिए भी एक संदेश दिया है कि जिस प्रकार किसानों के लिए वह पीछे नहीं हटे इसी तरह छात्रों के लिए भी पीछे नहीं हटेंगे और आने वाले समय में एक महाआंदोलन करेंगे जिसकी तैयारी चल रही है उन्होंने साफ-साफ बताया कि भाजपा सरकार में छात्रों को एक बेरोजगार मजदूर बना दिया है, सरकार को इशारों में बताते हुए कहा कि इस बार के चुनाव में भाजपा को जवाब मिलेगा और छात्रों के लिए भी महाआंदोलन के लिए तैयार हैं।

एक्सप्रेस वे बनाने के साथ माफियाओं की संपत्ति गिराने के काम में आया बुलडोजर : पीयूष गोयल

प्रयागराज। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को दारागंज और मुट्ठीगंज में दो चुनावी सभाओं को संबोधित किया। यहां उन्होंने सपा, कांग्रेस को घेरने के साथ ही सरकार की उपलब्धियों एवं खुद के रेलमंत्री होने के दौरान प्रयागराज को दी गई सौगातों के बारे में बताया। सीएम योगी को लेकर उन्होंने कहा कि बाबा के बुलडोजर ने माफियाओं की अवैध संपत्ति को जमींदोज तो किया ही, साथ ही प्रदेश भर में हाइवे और एक्सप्रेस वे के निर्माण में भी सहयोग दिया। देर शाम दारागंज में शहर उत्तरी से भाजपा प्रत्याशी हर्षवर्धन बाजपेयी एवं उसके बाद रात को मुट्ठीगंज चौराहे पर शहर दक्षिण सीट से प्रत्याशी नंद गोपाल गुप्ता नंदी के समर्थन में हुई सभा में पीयूष गोयल ने कहा कि पीएम मोदी और योगी ने प्रयागराज का प्राचीनतम नाम पुनर्स्थापित कर इसका गौरव बढ़ाने का काम किया। यहां वर्ष 2019 में लगे भव्य कुंभ को पूरी दुनिया ने देखा। प्रयागराज ज्ञान न्याय तपस्या एवं बलिदान की धरती है।यहां सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की सांस्कृतिक धरोहर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब मैं रेल मंत्री था सबसे तीव्र गति से चलने वाली ट्रेन वंदे भारत का स्वागत प्रयाग वासियों ने भव्यता के साथ किया था। उसी समय प्रयागराज छिवकी, प्रयागराज संगम , सूबेदारगंज स्टेशन बना। प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज जंक्शन में भी यात्री सुविधाओं का इजाफा किया। यह सभी स्टेशन जिले की शोभा बढ़ा रहे हैं।

सीआरपीसी की धारा 311 के तहत गवाहों का हो सकता है पुनर्परीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 311 के तहत किसी मामले में गवाही के पुनर्परीक्षण के लिए गवाहों को दोबारा बुलाया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि धारा 311 न्यायालय को एक भौतिक गवाह को समन करने, न्यायालय में मौजूद किसी व्यक्ति की जांच करने या पहले से जांच किए गए गवाह को वापस बुलाने की व्यापक शक्ति देती है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी ने देवरिया सत्र न्यायाधीश के आदेश को रद्द करने की मांग पर दाखिल याचिका को खारिज करते हुए दिया है। आदेश में अभियोजन पक्ष के दो गवाहों को वापस बुलाने के लिए सीआरपीसी की धारा 311 के तहत याची द्वारा दायर दो आवेदनों को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने ने मामले में सीआरपीसी की धारा 311 की प्रयोज्यता पर प्रकाश डाला। मामले

में याची ने दो गवाहों के पुनर्परीक्षण के लिए वापस बुलाने के लिए ट्रायल कोर्ट में आवेदन किया था।यह देखते हुए कि वर्तमान मामले की सुनवाई 2015 से लंबित है और याची के पास विवादित तथ्य के संबंध में मौखिक या दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर होगा। क्योंकि, सुनवाई बचाव पक्ष के साक्ष्य के लिए लंबित है। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल जज ने आवेदनों को खारिज करने के लिए अच्छे कारण बताए हैं। धारा 311 सीआरपीसी के तहत शक्ति का प्रयोग केवल सच्चाई का पता लगाने या ऐसे तथ्यों के लिए उचित सबूत प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जाना चाहिए। यह कहते हुए कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी गई।

बच्चों को पढ़ाने वाली पार्टी को करें वोट, लड़ाने वाली पार्टी से रहें दूर : मनीष सिसोदिया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आजादी के बाद उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव में मतदाताओं को सशक्त राजनैतिक विकल्प मिला है। अब उन्हें ऐसी पार्टी को चुनना चाहिए जो शिक्षा की बात करती हो। ये बातें बुधवार को शहर दक्षिणी विधान सभा सीट से पार्टी प्रत्याशी डॉ. अलताफ अहमद के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया ने कहीं।

हटिया चौराहा मुट्ठीगंज में हुई जनसभा में मनीष सिसौदिया ने कहा कि सही शिक्षा के बिना समाज के गरीब और वंचित वर्ग की स्थिति में सुधार नहीं होगा। लोगों से अपील करते हुए कहा कि जनता बच्चों को पढ़ाने वाली पार्टी को वोट करें, लड़ाने वाली पार्टी से दूर ही रहे। चुनाव प्रचार के लिए प्रयागराज पहुंचे दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया ने जनसभा में अपनी सरकार के दिल्ली मॉडल को लोगों के सामने रखते हुए कहा कि सरकार में आए तो यूपी में भी दिल्ली की तर्ज पर मुफ्त शिक्षा, मुफ्ट बिजली, पानी, चिकित्सा, महिला सम्मान, सुरक्षा और रोजगार के लिए कार्य करेंगे।

रोड शो करते दिल्ली के उपमुख्यमंत्री

शहर में कई जगहों पर किया संबोधित

दिल्ली सरकार की तरफ से किए गए कार्यो की चर्चा आज पूरे विश्व में हो रही है। ऐस में यहां के मतदाताओं को आप के प्रत्याशी को जिताना होगा। इसके पहले नैनी के अरैल मोढ़ पर जनसभा को संबोधित करते हुए मनीष सिसौदिया ने कहा कि बाकी पार्टियां जातियों और धर्म के नाम पर चुनाव लड़ रही है। आम आदमी पार्टी सिर्फ विकास के मसौदे को लेकर यूपी विधान सभा चुनाव के मैदान में है। कहा कि जितना हमने सोचा नहीं था, उसके ज्यादा जनसमर्थन उनकी पार्टी के प्रत्याशियों को मिल रहा है। ऐसे में अगर बच्चों की पढ़ाई के लिए अच्छी शिक्षा एवं चिकित्सा चाहिए, तो मतदाताओं को आम आदमी पार्टी को वोट देना चाहिए। इसके पहले सुबह शहर उत्तरी प्रत्याशी संजीव मिश्रा के समर्थन में मनीष सिसौदिया ने रोड शो करके समर्थन मांगा। रोड शो की शुरूआत दारागंज के गल्लामंडी से हुई।वाहनों के काफिले के साथ गल्ला मंडी से शुरू होकर अलोपीबाग, अल्लापुर होते हुए रोड शो बालसन चौराहा पहुंचा। यहां पर उन्होंने चौराहा पर स्थित महर्षि भारद्वाज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। जिसके बाद रोड शो का समापन हुआ। पार्टी के जिलामीडिया प्रभारी मोहम्मद नसीम ने बताया कि उनकी एक जनसभा करेली में भी प्रस्तावित थी, लेकिन समय नहीं होने के कारण उन्होंने वहां जनसभा नहीं की।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन परीक्षा के लिए आमरण अनशन पर बैठे छह छात्रों की बिगड़ी तबीयत

प्रयागराज। इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में 22 अप्रैल से प्रस्तावित स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की परीक्षाएं आफलाइन मोड में कराने के निर्णय के विरोध में परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के सामने आमरण अनशन पर बैठे छह छात्रों की तबीयत बिगड़ गई।

उन्हें तेज बहादुर सप्रु चिकित्सालय (बेली) में भर्ती कराया गया है। इसके बावजूद देर शाम तक इवि के प्रशासनिक अधिकारी अनशनरत छात्रों से वार्ता करने तक नहीं पहुंचे। इससे छात्रों में नाराजगी है।

ऑफलाइन परीक्षा के विरोध में आंदोलित हैं छात्र : इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में परीक्षा समिति की बैठक में परीक्षा समिति ने स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की परीक्षाएं आफलाइन मोड में 22 अप्रैल से कराने का निर्णय लिया है। इसके विरोध में छात्रों ने परिसर में खूब हंगामा किया। प्रवेश द्वार पर ताला तक जड़ दिया। इस पर कुलपति ने डीन साइंस प्रोफेसर शेखर श्रीवास्तव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया। कमेटी ने गत सोमवार को छात्रों के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की। पर कमेटी कोई निर्णय नहीं ले सकी। इस पर छात्रों ने कुलपति कार्यालय पर धरना दिया। मंगलवार को छात्रों ने कुलपति कार्यालय के बाहर आमरण अनशन शुरू कर दिया। इस बीच चीफ प्राक्टर ने छात्रनेता अभिषेक द्विवेदी, अमन शुक्ल और सत्यम कुशवाहा के खिलाफ कार्रवाई की है।

सभी को कराया गया अस्पताल में भर्ती : आमरण अनशन की सूचना पर चीफ प्राक्टर प्रो. हर्ष कुमार, असिस्टेंट प्राक्टर डा. संतोष कुमार सिंह, डा. विनम्र सेन सिंह, सुरक्षाधिकारी अजय सिंह जिला और पुलिस प्रशासन के साथ पहुंचे। यहां छात्रों से तीखी झड़प हुई। इसके बाद वहां से सभी को हटा दिया गया तो छात्र परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर बैठ गए। बुधवार को अनशन पर बैठे आशीष कुमार, आदर्श यादव, राकेश यादव, पवन शर्मा और अभय कुमार की तबीयत बिगड़ गई। जबकि, समर्थन देने पहुंचा एक छात्र वहीं गश खाकर गिर पड़ा। सभी को अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया। साथ ही डाक्टरों की टीम लगातार छात्रों की सेहत जांच रही है।

नारी के अपमान का बदला लिया जायेगा : नीलम गोन्हे

उप सभापति महाराष्ट्र विधान सभा की प्रेस वार्ता

अखंड भारत संदेश

कोरांव। कोरांव विधान सभा प्रयागराज में शिवसेना प्रत्यासी श्रीमती आरती कोल के समर्थन में पधारी उप सभापति महाराष्ट्र श्रीमती नीलम गोंहे ने भाजपा प्रत्यासी के साथ हुए अपमान का बदला लिया जायेगा। उक्त बातें प्रेस वार्ता के दौरान डाक्टर नीलम ने कही। डाक्टर नीलम गोन्हे ने शिवसेना प्रत्यासी के समर्थन में वार्ता के दौरान कहा कि आरती देवी के साथ जो अन्याय कुछ तत्वों ने किया है कार्यवाही के लिए लोक सभा,राज्य सभा और विधान सभा से लेकर विधान परिषद तक सदन में उठाया जाएगा। और नारी अपमान के विरुद्ध दोषियों को दंडित कराया जायेगा। डाक्टर नीलम ने कहा की भाजपा महिलाओं के सम्मान की बात तो करती है लेकिन ज्यादा इन्ही के शासन में ही महिलाओं के साथ जुल्म ज्यादती और शोषण किया जा रहा है। भाजपा की खिंचाई करते हुए कहा कि यहां बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। इसका बदला यहां की जनता आरती कोल को विधान सभा में भेज कर लेना है। उन्होंने किसानों की चर्चा की और बताया कि किसानों ने जिस तरह से संघर्ष कर काले कानून वापिस कराया उसी तरह तरह नारी के सम्मान के लिए

प्रेसवार्ता करतीं उपसभापति महाराष्ट्र, विधानसभा नीलम गोन्हे

सिवसेना संघर्ष करेगी। जिससे सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि एक ही भूल कमल का फूल का नारा दिया। नीलम ने कहा कि केंद्र सरकार को यूपी की महिलाओं के साथ ज्यादती और आरती के साथ हुई रुसवाई का विरोध कर दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि आरती देवी के हितार्थ करीब दो सौ लोगों की टीम लगाई गई है। और इन्हे चुनाव जीतना भी अनिवार्य हो गया है। वार्ता के दौरान सांसद कृपाल टूमाने महाराष्ट्र विधायक चतुवेर्दी एवम कार्यालय कोरांव विधान सभा धर्म मिश्र एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

एमपी एमएलए कोर्ट ने यूपी के पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी के मुकदमे में विवेचक से मांगा स्पष्टीकरण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री राकेशधर त्रिपाठी के विरुद्ध एमपी एमएलए कोर्ट में विचाराधीन आय से अधिक संपत्ति के मुकदमे में अदालत ने विवेचक को हाजिर होकर स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया है। एमपी एमएलए कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी को होगी। विशेष न्यायाधीश ने स्पष्टीकरण देने के लिए विवेचक को तलब कियाएमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश डा. दिनेश चंद्र शुक्ल ने विशेष लोक अभियोजक विकास गुप्ता के प्रार्थना पत्र पर उन्हें तथा राकेशधर त्रिपाठी की ओर से पेश अधिवक्ताओं के तर्कों को सुना। विशेष न्यायाधीश ने अधिवक?ताओं के तर्कों को सुनने के बाद कहा कि केस डायरी जो विवेचक ने लिखी है, उसमें गवाह के द्वारा दिए गए कागजातों को एकत्र कर विवेचना में शामिल कर पेश किए जाने का अंकन किया गया है। हालांकि यह पत्रावली पर उपलब्ध कागजातों में शामिल नहीं है। ऐसी स्थिति में इसका स्पष्टीकरण देने के लिए विवेचक को तलब किया जाना आवश्यक है।

फेसबुक पर अलविदा जिंदगी का स्टेटस लगाकर नदी में लगाया छलांग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रतापगढ़ के मानधाता सीएचसी पर तैनात डॉक्टर अमित सिंह का दूसरे दिन भी कुछ पता नहीं चला। पुलिस के साथ ही एसडीआरएफ की टीम भी फाफामऊ घाट के आसपास नदी में तलाश करती रही लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।उधर, पुलिस को जांच पड़ताल में पता चला है कि घटना से कुछ देर पहले डॉक्टर ने फोन पर पिता से बात की थी और कुछ देर में लौटने की बात कहकर फोन काट दिया था। पुलिस की टीम ने प्राइवेट गोताखोरों को नदी में उतारा। घंटों तलाश चलती रही लेकिन कुछ पता नहीं चला। जानकारी पर जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम भी लगी रही लेकिन डॉक्टर का कुछ सुराग नहीं मिला।

बहन और पत्नी को स्टेशन छोड़ने के बाद उठाया कदम : पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की तो पता चला कि घटना से कुछ देर पहले डॉक्टर अमित ने फोन पर अपने पिता से बात की थी। दरअसल वह अपनी बहन को छोड़ने के लिए स्टेशन गए थे।पिता से उन्होंने जल्दी ही लौटने की बात कही थी। लेकिन इससे पहले ही उन्होंने फाफामऊ पहुंचकर गंगा में छलांग लगा दी थी। शिवकुटी एसओ मनीष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एक बार फिर से तलाश शुरू की जाएगी।सुसाइड नोट भी किया था पोस्टडॉक्टर ने नदी में छलांग लगाने से पहले फेसबुक और व्हाट्सएप पर ह्यअलविदा जिंदगीह्ल का स्टेटस लगाया था। इसके अलावा फेसबुक पर सुसाइड नोट भी पोस्ट किया था जिसमें अपनी मौत के लिए परिजनों को जिम्मेदार बताया था। मानधाता थाना क्षेत्र के ढेमा निवासी डॉ. अमित सिंह (35) मानधाता पीएचसी पर संविदा डॉक्टर के पद पर तैनात हैं।

बीजेपी को उत्तराखंड से खदेड़ा अब यूपी की बारी: पूर्व सीएम हरीश रावत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस ने भाजपा को गंगोत्री, यमुनोत्री और उत्तराखंड से खदेड़ दिया, अब उत्तर प्रदेश की बारी है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में भी गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है जिस तरह से हमने हिमालय से भाजपा को हटाने का काम किया है उसी तर्ज पर यूपी के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेसियों ने संकल्प लिया है कि योगी सरकार को हटाने का काम करेंगे।उन्होंने कांग्रेस के शहर उत्तरी के प्रत्याशी और उत्तराखंड के पूर्व प्रभारी अनुग्रह नारायण सिंह की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अनुग्रह नारायण साक्षी हैं कि हम लोगों ने उत्तराखंड में भाजपा को हटाने का काम किया है। हरीश रावत बुधवार को प्रयागराज में स्टार प्रचारक के रूप में जनसभा और रोड शो करने के लिए पहुंचे हैं। रोड शो के पहले सिविल लाइंस स्थित एक होटल में उन्होंने पत्रकारों से वार्ता की।

बीजेपी ने बोलने की आजादी ही खत्म कर दी है

हरीश रावत ने संगमनगरी में भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा भाजपा ने बोलने की आजादी ही खत्म कर दी है। इस सरकार ने केवल दल विशेष के लोगों को मालामाल किया। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता के अरमानों को रौंदने का काम किया। अब समय आ गया है कि आमजन इस तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगा। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य किशोर वाष्णेय समेत अन्य मौजूद रहे।

सिने स्टार जैकलीन संग रोड शो करेंगे रावत

फिल्म अभिनेत्री जैकलीन बुधवार को संगमनगरी में कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करने के लिए आ रही हैं। वह कांग्रेस से शहर पश्चिमी के प्रत्याशी तस्लीमुद्दीन के समर्थन में रोड शो करेंगी और कुछ स्थानों पर जनसभा में भी शामिल होंगी। रोड शो में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी रहेंगे।

बसपा बनायेगी पूर्ण बहुमत की सरकारः डा. अजय कुमार

बारा के हर बूथ पर मजबूती से लड़ रही है बसपा : रामबृज गौतम

बारा प्रयागराज। विधानसभा 264 बारा (सुरक्षित) से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी डा. अजय कुमार ने विकास खण्ड शंकरगढ़ स्थित ग्रामसभा कपारी, बेमरी, गदामार, गीज, टण्डन बन, सोनवरसा, जूही, करियाकला आदि क्षेत्रों में जन सम्पर्क कर बताया कि केवल बसपा प्रमुख बहनजी के शासनकाल में ही जमीन पर काम होता है। बहनजी जो कहती है उसे करके दिखलाती है। केवल बसपा के कार्यकर्ता/ पदाधिकारी डोर टू डोर जनसंपर्क कर रहे है। बसपा जमीनी स्तर पर बहुत मजबूत है। डा. अजय कुमार ने जनसंपर्क में बसपा की रीतियों नीतियों और मिशन मूवमेंट के साथ बसपा के पूर्व कार्यकाल की उपलब्धियो को जानसम्पर्क करते समय मतदाताओं को बताया और कहा कि विधानसभा आम चुनाव 2022 जीतकर बहनजी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। किसान, मजदूर, बेरोजगार सभी बहनजी को पांचवी बार मुख्यमंत्री के रूप में उम्मीद लगाकर बैठे है निश्चित ही उनका सपना पूरा होगा।

बसपा प्रत्याशी डा.अजय कुमार ने बारा क्षेत्र का किया तूफानी दौरा

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। बसपा प्रत्याशी डॉ अजय कुमार का डोर टू डर जनसंपर्क बुधवार को भी जारी रहा।भ्रमण के दौरान जनता से मिल रहे अपार समर्थन और और जुट रही भारी भीड़ ने अन्य दलों में हलचल पैदा कर दी है। कुछ दिन पहले तक बारा विधानसभा क्षेत्र में जहां लड़ाई सिर्फ भाजपा और सपा की दिख रही थी, वहीं अब बसपा प्रत्याशी डा. अजय कुमार के आने से लड़ाई त्रिकोणीय हो गई है। बसपा प्रत्याशी ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में क्षेत्र के विकास में अनगिनत कार्य करवाए, जिस कारण जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। 264 बारा विधानसभा सुरक्षित सीट होने की वजह से डा.

चुनाव जीतने पर शीघ्र करवाए जाएंगे अवशेष विकास कार्य

डोर टू डोर प्रचार करते बसपा प्रत्याशी डा. अजय कुमार

अजय कुमार का सामना मौजूदा अपना दल (एस) और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी से सीधा मुकाबला प्रतीत हो रहा है। जिससे चुनावी दंगल त्रिकोणीय होता दिख रहा है। डॉ अजय कुमार का मानना है कि 2022 में भारी बहुमत से जीतते हुए कामयाबी उनके कदम चूमेगी। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में क्षेत्र की तमाम बिरादरी व सामाजिक संस्थाओं का भरपूर समर्थन व सहयोग मिल रहा है। डा. अजय कुमार ने जनसंपर्क के दौरान बताया कि उनकी जीत सुनिश्चित है। मौजूदा विधायक रहते हुए उन्होंने क्षेत्र में बिजली, पानी, जर्जर, सडक, स्कूल, स्वास्थ्य आदि समस्याओं से जनता का निदान किया है।क्षेत्र की अन्य समस्याएं जो समय अभाव रहने के कारण शेष रह गया है, उसे आने वाले समय में पूरा किया जाएगा।डा. अजय कुमार ने बुधवार को शंकरगढ़ क्षेत्र के ग्राम कपारी,जोरवट,बेमरा, बंधवा, लोहगरा,बारा आदि गांवों का तूफानी दौरा किया।

नाम के समाजवादी हैं अखिलेश, संरक्षण देते हैं आतंकवादियों को: योगी

पट्टी में आयोजित जनसभा को मुख्यमंत्री ने किया सम्बोधित

पट्टी, प्रतापगढ़। बुधवार को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पट्टी विधानसभा में हजारों की संख्या में मौजूद जनसभा को संबोधित किया। समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि नाम तो समाजवादी है लेकिन काम आतंकवादी है। उन्होंने कई घटनाओं का जिक्र करते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को आतंकी संरक्षण देने का आरोप लगाया। भाजपा सरकार द्वारा जन कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए आम जनमानस से जुड़ी हुई योजनाओं के संबंध में बताया।

उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी गुंडों की पार्टी है जिसकी सरकार में तमाम प्रकार के दंगे फसाद और सामाजिक समरसता में खलल डालने वाला काम करने वाली यही समाजवादी लोग हैं। उन्होंने कहा कि 5 साल में उत्तर प्रदेश में अपराध करने वाले आज या तो जेल में हैं या फिर प्रदेश छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर 12वीं पास करने के बाद प्रवेश लेने पर, उज्जवला योजना मुफ्त में राशन युवाओं को रोजगार राष्ट्रवाद और हिंदुत्व पर भी निशाना साध कर विधानसभा पट्टी के भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा, रानीगंज भाजपा प्रत्याशी धीरज ओझा, पट्टी नगर अध्यक्ष खेदनलाल जायसवाल, पूर्व नगर अध्यक्ष जुग्गीलाल जायसवाल, ब्लाक प्रमुख नंदन सिंह, ब्लाक प्रमुख सुशील सिंह, कमलाकांत यादव, ब्लाक प्रमुख आसपुर देवसरा कमलाकांत यादव, मीडिया प्रभारी विनोद पांडे, निषाद राज पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद सहित हजारों लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व नगर अध्यक्ष रामचरित्र वर्मा ने किया।

संक्षिप्त

डीआरएम ने किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। लखनऊ मंडल के रेल प्रबंधक एसके सपरा ने मंगलवार को प्रतापगढ़ स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सकुर्लेटिंग एरिया और पोर्टिको को देखा। एसएस एसके यादव को आवश्यक दिशा निर्देश देकर अमेठी चले गये। शाम को अचानक ट्रेन से पहुंचे डीआरएम को देखकर स्टेशन पर तो एक बार अफरातफरी मच गई। हालांकि उन्होंने चहलकदमी करते हुये अंदर और बाहर का निरीक्षण किया। सफाई व्यवस्था देखी। इस दौरान आरपीएफ फोर्स के अलावा सफाई सुपरवाइजर भरत यादव मौजूद थे।

आज आएंगे अखिलेश सिंह यादव

प्रतापगढ़। गुरुवार को सपा मुखिया अखिलेश सिंह यादव प्रतापगढ़ आएंगे। वे दो बजे कुण्डा विधान सभा क्षेत्र के बूढ़ापुर छेऊंगा, तीन बजे विश्वनाथगंज विधान सभा क्षेत्र के सरियापुर नौबस्ता, चार बजे सदर विधान सभा क्षेत्र के मन्दाह का मैदान में आयोजित जनसभा को सपा प्रत्याशियों के पक्ष में सम्बोधित करेंगे। इस दौरान वह सदर, रानीगंज व पट्टी क्षेत्र में कार्यकताओं से भेंट भी करेंगे। उसके बाद पांच बजे प्रयागराज के लिये प्रस्थान करेंगे।

मतदान केन्द्रों पर विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए: डीएम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के अन्तर्गत जनपद में 27 फरवरी 2022 को मतदान होना है। जनपद के सभी मतदान केन्द्र/मतदेय स्थलों पर न्यूनतम मूलभूत आवश्यक सुविधा के अन्तर्गत विद्युत की आपूर्ति निरन्तर बना रहना आवश्यक है।

उन्होंने विद्युत वितरण खण्ड के समस्त अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया है कि मतदान के एक दिवस पूर्व से ही निर्वाचन समाप्ति तक जनपद के सभी मतदान केन्द्र/मतदेय स्थलों पर न्यूनतम मूलभूत आवश्यक सुविधा के अन्तर्गत विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से सुनिश्चित किया जाये। यदि मतदान के एक दिवस पूर्व तथा मतदान के दिवस में किसी मतदेय स्थलों पर विद्युत आपूर्ति बाधित होती है तो सम्बन्धित विद्युत वितरण खण्ड के अधिशाषी अभियन्ता पूर्णतया उत्तरदायी होगें, साथ ही निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में बाधा उत्पन्न करने के दृष्टिगत सम्बन्धित विद्युत वितरण के अधिशाषी अभियन्ता के विरूद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। उन्होने कहा कि दिये गये आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता को गम्भीरता से लिया जायेगा। उधर जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया है कि उत्तर प्रदेश शासन श्रम अनुभाग-3 लखनऊ के निर्देशानुसार विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 में मतदान दिवस पर कारखानों में कार्यरत कर्मकारों को मतदान की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-135 (ख) के प्राविधानों के अनुसार अविरल प्रक्रिया वाले कारखानों में कार्यरत समस्त कर्मचारियों को मतदान का उपयुक्त अवसर प्रदान करने तथा अनविरल प्रक्रिया वाले कारखानों में मतदान के दिवस को सार्वजनिक अवकाश प्रदान किया जायेगा तथा अगले साप्ताहिक अवकाश के दिन उनसे कार्य नही लिया जायेगा। उन्होने बताया है कि जनपद प्रतापगढ़ में पंचम चरण में 27 फरवरी 2022 (दिन रविवार) को मतदान है। जनपद प्रतापगढ़ में स्थित अवरिल कारखानों में कार्यरत कर्मचारियों को मतदान हेतु उपयुक्त अवसर प्रदान किया जायेगा तथा अनविरल कारखानों, दुकानों एवं वाणिज्य अधिष्ठानों में मतदान के दिवस को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है ।

धीरज ओझा नहीं अनुप्रिया पटेल लड़ रही है चुनाव: अनुप्रिया

रानीगंज में आयोजित जनसभा में शामिल हुई केन्द्रीय मंत्री

रानीगंज, प्रतापगढ़। चार चरण के चुनाव में भाजपा, अपना दल (एस) एवं निषाद पार्टी के पक्ष में लोगों ने जमकर मतदान किया है। सपा एवं अन्य दलों का जनपद प्रतापगढ़ ही नही अपितु सम्पूर्ण प्रदेश से सूपड़ा साफ हो जाएगा। यह बातें अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष/केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल रानीगंज के बभन मई में भाजपा प्रत्याशी धीरज ओझा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अपना दल में जिसे विधायक दो बार बनाया उसने कार्यकताओं का मनोबल गिराते हुए पार्टी के विरोध में कार्य किया। अब वह यहां से सपा की साइकिल पर चढ़कर चुनाव लड़ रहा है।

उसे सबक सिखाने का समय आ गया है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि 27 तारीख को भूल जाना कि धीरज चुनाव लड़ रहा है बल्कि यह याद रखना कि यहां से अपना दल अनुप्रिया पटेल चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा प्रत्याशी धीरज ओझा के बारे में कहा कि सरकारी खजाने से पैसा लाकर उन्होंने रानीगंज का विकास। एक बार इन्हें पुनः विधायक बनाइए।

कार्यक्रम में सांसद संगम लाल गुप्ता भाजपा जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्रा अपना दल जिला अध्यक्ष बृजेश पटेल, निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष अरविंद निषाद, भाजपा जिला महामंत्री आशीष श्रीवास्तव, विधानसभा प्रभारी सतीश द्विवेदी, ललित तिवारी आदि उपस्थित रहे।

उमडे. सैलाब से उत्साहित अनुप्रिया ने कहा कि जनता बता रही है परिणाम

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज में भाजपा प्रत्याशी नागेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ छोटे सरकार के समर्थन में आयोजित सभा में उधर लालगंज के नया पुरवा में जनसभा को संबोधित कर रही अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार में अराजक तत्वो का खातमा हुआ है। इससे पूर्व नागेश प्रताप सिहं ने माल्यार्पण कर अपना दल एस की मुखिया का स्वागत किया। नागेश सिंह ने जनता का आभिवादन करते हुए आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि भाई के लिए आज एक बहन आप सब से आशीर्वाद मांगने आई है। आप लोगो द्वारा एक बहन का एक बेटी का स्वागत ही बता दिया कि एक बेटी, एक बहन की अर्जी को मेरी माताओं, बहनों, भाईयों व दादाओं ने स्वीकार कर लिया। इस दौरान मंच पर उपस्थित सांसद संगमलाल ने रामपुर खास में बदलाव के लिए छोटे सरकार को समर्थन करने की जनता से अपील की। पूर्व सांसद राजकुमारी रत्ना सिंह व राजा अनिल प्रताप सिह ने भी जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर पूर्व प्रमुख रमेश सिंह, ओम प्रकाश पाण्डेय, सुजीत तिवारी, संजीत तिवारी, शिवा पाण्डेय, विनोद सिह आदि ने मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया।

भाजपा सरकार में गुण्डा व माफिया जेल की सलाखों में भेजे गये: जे पी नडडा

– एमएमपीजी डिग्री कालेज में आयोजित जनसभा में बोलते राष्ट्रीय अध्यक्ष

परियावां, प्रतापगढ़। एमएमपीजी डिग्री कालेज कालाकांकर में बुधवार को लगभग साढ़े बारह बजे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नडडा का जैसे ही हेलीकाप्टर उतरा, पूरा जन समूह नारे लगाने लगा। मंच पर राज्य मंत्री सुनील बरनाला, जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्रा, कुंडा प्रत्याशी सिन्धुजा मिश्रा सेनानी, राजकुमारी रत्ना सिंह ने फूलों का गुलदस्ता व अंग वस्त्र भेंट किया।

इस दौरान मंच पर आसीन अन्य गणमान्य लोगों ने फूलों की माला पहनाकर नडडा का जोरदार स्वागत किया। मंच पर आसीन

राजनीतिक नेताओ ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नडडा ने उपस्थित जनता जनार्दन का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने जो कहा, उसे कर दिखाया। प्रदेश के गुंडा माफियाओं को जेल के सलाखों में भेज दिया। योगी राज में एक भी दंगे नही हुये जब कि सपा सरकार में कई दंगे हुए।

जनसभा में मौजूद जनसमूह से अपील किया कि कुंडा व बाबागंज विधान सभा के भाजपा प्रत्याशी सिन्धुजा मिश्रा सेनानी व केशव पासी को विजयी बनाएं। भाजपा सरकार ने सबका साथ सबका विकास किया। किसी के साथ भेदभाव नही किया। इस मौके पर सतीश चैरसिया, भूपेंद्र पाण्डेय, अभय प्रताप सिंह पप्पन त्रिभुवन नाथ मिश्र, डॉ0 घनश्याम यादव राजभवन मैनेजर, महाराज जय सिंह सिसौदिया सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ओपीएस के लिए संसद घेरने की तैयारी: मेंस

प्रतापगढ़। पुरानी पेंशन की मांग को लेकर चुनाव बाद संसद घेरने की तैयारी है। बुधवार को नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन की ब्रांच काउंसिल में इसके संकेत मिले हैं। नेताओं का कहना कि मार्च बाद घेराव की तैयारी है। केंद्रीय नेतृत्व के निर्णय के बाद आंदोलन को धार मिलेगी।

मेस यूनियन की प्रतापगढ़ ब्रांच की बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं जैसे नाइट ड्यूटी भत्ता, यात्रा भत्ता, सीयूजी के मुद्दे पर बात हुई। कर्मचारियों ने इन मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया। कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन का भी मुद्दा उठाया। कहा कि राजस्थान सरकार पुरानी पेंशन देने जा रही है। उन्होंने यूनियन पर पेंशन का हक दिलाने के लिए दबाव बनाया। ब्रांच मंत्री अनिल शुक्ला ने कहा कि इसी साल मार्च महीने में पुरानी पेंशन के मुद्दे पर यूनियन सड़क से लेकर संसद तक आंदोलन करेगी। इसकी तैयारी चल रही है। मीटिंग में अजय आंनद, मोहम्मद अनीस, मनीष पांडे, राज किशोर, सलामत उल्ला, विनय मिश्रा समेत कई कर्मचारी नेता मौजूद थे।

घर घर अलख जगायेंगे शत-प्रतिशत मतदान कराएंगे

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब द्वारा चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के क्रम में आज क्लब के इंटरनेशनल कमेटी चेयरमैन रोशनलाल उमरवैश्य की अगुवाई में मतदाता जागरूकता अभियान शहर में चलाया गया मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के लिए शपथ दिलाई गई और सभी को मतदान करने के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया गया।

क्लब की महिला टीम द्वारा गांव व नगर में मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया। घर-घर जाकर महिलाओं और पुरुष मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान के लिए शपथ दिलाई गई। क्लब के इंटरनेशनल कमेटी चेयरमैन रोशनलाल उमरवैश्य ने बताया कि गत चुनाव की भाति इस विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान हो इसके लिए क्लब मतदाताओं को जागरूक कर शपथ दिलाई जा रही है जिससे शत प्रतिशत मतदान हो और लोकतंत्र मजबूत हो। क्लब ने आज इस नारे के साथ भ्रमण किया जाती ना धर्म पर वोट देंगे कर्म परष, ष्घर- घर अलख जगायेंगे शत-प्रतिशत मतदान कराएंगे। महिला क्लब की अगुवाई कर रही क्लब की वॉइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पूनम गुप्ता ने क्लब की महिलाओं के साथ आज चिलबिला, महुली, बेनीपुर, फेनहा में घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान करने की शपथ दिलाई और सभी को दूसरों को भी मतदान करने की अपील करने का निवेदन किया। इस अवसर पर दिग्विजय नाथ पांडे, संतोष कुमार, देवानंद, रेखा उमरवैश्य आदि क्लब की महिला टीम ने सहभागिता की।

देश की सत्ता भाजपा के हाथ में सुरक्षित नहीं: भूपेश बघेल

प्रतापगढ़। बुधवार को कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी हेलीकाप्टर प्रतापगढ़ में उतरा। मुख्यमंत्री के साथ ही कांग्रेस के दिग्गज नेता प्रमोद तिवारी भी मौजूद रहे। मदाफरपुर बाजार के पास सदर व पट्टी विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को सम्बोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि देश की सत्ता भाजपा के हाथ में सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस सरकार बनाने का जनता से आहवान किया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के प्रतिज्ञा पत्र को आप लोग पूरा करें। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने का आहवान किया। इस दौरान जनसभा के दौरान प्रमोद तिवारी ने आवारा पशुओं से किसानों को हो रही समस्याओं का

जिक्र करने के साथ ही भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान पट्टी की सुनीता पटेल, सदर के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी, रानीगंज के प्रत्याशी अब्दुल वाहिद समेत जनपद के सभी कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में जनता से मांगा वोट। इस दौरान मंच पर मुख्यमंत्री भूपेश के साथ ही प्रमोद तिवारी, नीरज त्रिपाठी, सुनीता पटेल, अब्दुल वाहिद, श्यामकिशोर शुक्ल समेत कई कांग्रेसी नेता रहे मौजूद।

बसपा प्रत्याशी आशुतोष त्रिपाठी ने किया व्यापक जनसंपर्क

प्रतापगढ़। बसपा प्रत्याशी आशुतोष त्रिपाठी ने बुधवार को टेकार में जनसभा की। उन्होंने कहा कि सदर विधान सभा का सबसे बड़ा मुद्दा सही प्रत्याशी का चुनाव है। बहुत सी सरकारें आईं और गईं लेकिन सदर की सूरत नहीं बदल सकी। न तो नगर में सीवर लाइन बन सकी न गांवों में सड़कें गड्ढा मुक्त हो सकीं। वर्तमान सरकार चिकित्सा और रोजगार के मुद्दे पर भी असफल साबित हुई। सदर के विधायक जीतने के बाद जनता से मुंह मोड़ लेते हैं इसलिए जनता जनार्दन को बसपा के पक्ष में मतदान करना चाहिए।

जिला कारागार का विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने किया वर्चुअल निरीक्षण

जेल अधिकारी को दिये गये आवश्यक निर्देश

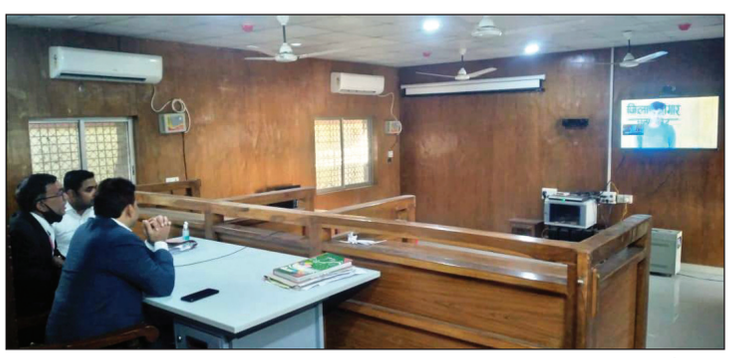

प्रतापगढ़। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देश व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में जिला कारागार का सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा वर्चुअल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपजेलर सुनील कुमार द्विवेदी द्वारा अवगत कराया गया कि जिला कारागार में 1116 बन्दी निरूद्ध है जिसमें 967 विचाराधीन बन्दी है, इसमें महिला 21 तथा 895 पुरूष बन्दी शामिल हैं। सिद्धदोष बन्दियों की संख्या 129 बतायी

गयी जिसमें 06 महिला बन्दी व 123 पुरूष बन्दी शामिल हैं। जेल अस्पताल में कुल 10 बन्दियों का उपचार चल रहा है। यह भी बताया गया कि जिला कारागार में कोई बन्दी कोरोना पाजिटिव नहीं है, जिला कारागार को पूरी तरह से सेनेटाइज कराया जा चुका है। प्रतिदिन जेल में बन्दियों के लिये कोरोना जांच की व्यवस्था है। जिला कारागार में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को कोरोना की बूस्टर डोज लगा दी गयी है। वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से बन्दी सचिन सरोज, हरिओम यादव, पप्पू कुमार गौड़, शारदा प्रसाद ने बताया कि उसके पैरवी के लिये निजी अधिवक्ता है जो मुकदमें की पैरवी करते है। इस अवसर पर सचिव द्वारा बन्दियों को उनके अधिकारों एवं प्लीबारगेनिंग के सम्बन्ध में विधिक जानकारी देते हुये जागरूक किया गया।

उपजेलर द्वारा जानकारी दी गयी कि जेल में निरूद्ध सभी सिद्धदोष बन्दियों की अपील हो चुकी है जो सम्बन्धित न्यायालयों में विचाराधीन है। वर्चुअल जेल निरीक्षण के दौरान जेल अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिला कारागार की प्रतिदिन साफ-सफाई कराने के साथ-साथ सेनेटाइज कराया जाये। इस अवसर पर उप जेल सुनील कुमार द्विवेदी, जेल विजिटर विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी एडवोकेट उपस्थित रहे।

फोटो पहचान पत्र न होने पर वैकल्पिक 12 दस्तावेजों में कोई एक करें प्रस्तुत

प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील कुमार शुक्ल ने जनसामान्य को बताया है कि विधानसभा समान्य निर्वाचन-2022 के लिये सभी निर्वाचक जिन्हें निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किये गये है, मतदान स्थल पर अपना मत डालने से पहले अपनी पहचान सुनिश्चित करने हेतु अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र दिखायेगें। ऐसे निर्वाचक जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नही कर पाते है उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करें। उन्होने 12 वैकल्पिक दस्तावेजों के सम्बन्ध में बताया है कि आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी किये गये फोटोयुक्त पासबुक।

यूपी के लोगों का विकास भारत के विकास को देता है गति : पीएम

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पीएम मोदी ने जिले के टेवा में उमड़ी विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यहां शीतला माता का धाम है यहां प्रभास गिरी पर्वत है राम वन गमन मार्ग है कौशांबी महाभारत पुराण रामायण में प्रसिद्ध नगरी है लेकिन परिवारवादी सरकार ने कौशांबी को विकास के लिए तरसा दिया यह हमारी सरकार है जो कौशांबी के विकास के लिए कृत संकल्प है कौशांबी में बौद्ध सर्किट है गंगा में पुल हमारी सरकार ने दिया है राम वन गमन पथ योजना कौशांबी में तेजी से चल रही है उन्होंने कहा यहां राशन माफिया हावी थे गरीबों को उनका राशन नहीं मिल पाता था लेकिन हमने राशन योजना में आमूलचूल परिवर्तन किया है और गरीब कौशाम्बी में रहता है तो राशन ले सकता है बाहर चला जाता तो भी उसे राशन मिलता है उन्होंने कहा कि आपने कुछ मौसमी नेताओं को भी देखा है जो कोरोना आ गया तो नेता चले गए अब कोरोना चला गया तो नेता फिर आ गए उन्होंने कहा कि परिवार वादी सरकारों में घोटाले ही घोटाले होते थे लेकिन हमारी सरकार में घोटाले बंद हो गए हैं पूर्ववर्ती शासन के दौरान यूपी में एक के बाद एक आतंकी हमले हुए आप लोग बताइए निदोर्षों को मारने वालों को कानून से सजा मिलनी चाहिए कि नहीं आतंकवादियों को जड़ से उखाड़ देना चाहिए आतंकियों को सजा हुआ आपको अच्छा लगा कि नहीं सजा होनी चाहिए कि नहीं होनी चाहिए आप सब लोगों को अच्छा लगा ना पूरे देश को अच्छा लगा लेकिन इन परिवार वादियों ने स्वागत तक नहीं किया क्या इनके मुंह में ताले लग जाएगा इन लोग आतंक के सामने आंखों पर पट्टी बांधकर बैठ जाने वाले लोग हैं।

मंझनपुर विधानसभा क्षेत्र के टेवा में उमड़ी भीड़ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया संबोधित

मंझनपुर विधानसभा क्षेत्र के टेवा में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

ये ऊर्जा ये उत्साह सिर्फ कौशाम्बी तक ही सीमित नहीं है

कौशाम्बी। पीएम मोदी ने कहा कि यह ऊर्जा यह उत्साह सिर्फ कौशांबी तक सीमित नहीं है बल्कि आज चौथे चरण में जहां मतदान हो रहा है, वहां के मतदाताओं को भी भारी संख्या में मतदान करते देखकर पूरे देश के लोकतंत्र प्रेमियों को एक विशेष आनंद हो रहा है।पीएम मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हो रहे ये चुनाव यूपी के विकास के साथ ही देश के विकास के लिए ही उतने ही महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि आपका एक-एक वोट बहुत महत्वपूर्ण है उन्होंने भाजपा को जिताना है साथ में सहयोगी अपना दल निषाद राज पार्टी को भी जिताना है मेरी बात मानेगे घर घर जाएंगे आपके लिए प्रणाम भेजा है मोदी जी आए थे और हर गरीब का आशीर्वाद चाहिए हर बहन बेटी का आशीर्वाद चाहिए यूपी के लोगों का विकास भारत के विकास को गति देता है।

परिवार वादी चाहते हैं गरीब चरणों में रहे

पीएम मोदी ने कहा कि घोर परिवारवादी चाहते हैं गरीब हमेशा उनके चरणों में रहे उनके चक्कर लगाता रहे हम गरीब की चिंता करते हुए उनके जीवन से मुश्किलें कम करने का काम कर रहे हैं और इसलिए आज यूपी का गरीब भाजपा के साथ डटकर खड़ा है पीएम मोदी ने कहा कि इसलिए ये लोग बौखलाए हुए हैं यूपी के लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन इन्हें पता नहीं है कि भाजपा की जीत का झंडा आज यूपी के गरीब ने खुद इस झंडे को उठा लिया हैउपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यही कोरोना वैक्सीन है जिनके कारण आज युवा स्कूल-कॉलेज जा पा रहे हैं व्यापार-कारोबार चल पड़ा है इसलिए यूपी कह रहा है आएगी तो भाजपा ही आएंगे तो योगी ही। उन्होंने कहा कि यूपी में जिन 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है, वो आज भाजपा की विजय के लिए जी जान से जुटा हुआ है जिन गरीबों, मध्यम वर्ग, बुजुर्गों को इस कोरोना काल में 28 करोड़ मुफ्त टीके लगे हैं, वो भाजपा के प्रतिनिधि बनकर उसकी जीत सुनिश्चित कर रहे हैं घर और स्कूल में शौचालय हों गैस कनेक्शन हो बिजली-पानी कनेक्शन हो, गर्भावस्था के दौरान हजारों रुपए की सीधी मदद हो यूपी में हमने लाखों घर पीएम आवास योजना के बनाए हैं, वो भी ज्यादातर महिलाओं के ही नाम हैं।

हर काम को हमने किया पूरा : भीड़ को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे हर काम को हमने पूरे मन से पूरी लगन से किया जितनी सुविधाएं हमने बहनों को दी हैं, ये किसी की जाति या मजहब देखकर नहीं दीं सबसे अधिक लाभ अगर इन योजनाओं का हुआ है तो हमारी दलित, पिछड़े और मुस्लिम समाज की बहनों को हुआ है यूपी का सामर्थ्य बढ़ाने में यहां की 10 करोड़ से अधिक हमारी बहनों और बेटियों की बहुत बड़ी भूमिका है उन्होंने कहा कि अगर हमारी बहनें बेटियां जकड़कर रहेंगी बंधन में रहेगी तो यूपी तेज विकास की गति प्राप्त नहीं कर सकता अपने वोटबैंक की वजह से, इन लोगों ने मुस्लिम बेटियों के जीवन की पहाड़ जैसी दिक्कतों को नजरअंदाज किया ये हमारी ही सरकार है जिसने इन मुस्लिम बहनों को तीन तलाक के दुष्चक्र से मुक्त किया है दुर्भाग्य से पहले की सरकारों ने हमारी बेटियों की जरूरतों और परेशानियों पर बिल्कुल ही आंखें बंद कर ली थी अगर उनके हृदय में जरा भी दर्द होता, तो क्या वो उन मनचलों को खुली छूट देते, जो स्कूल से आने जाने वाली हमारी बेटियों को छेड़ते थे हमारी बेटियों की सुरक्षा और सम्मान बढ़े, ये डबल इंजन की सरकार की हमेशा प्राथमिकता रही है इसलिए जब 2014 में आपने हमें अवसर दिया, तो हमनें इसके लिए ईमानदारी से काम किया हमने सिर्फ पुलिस में ही बेटियों की भागीदारी नहीं बढ़ाई, बल्कि उफ्द्धक्ष्, इरक्ष् जैसे अर्धसैनिक बलों और सेना में भी हम बेटियों की भागीदारी का विस्तार कर रहे हैं।

आखिर 70 वर्ष बाद एक क्यों नहीं हो सकी मतदाता सूची!

अखंड भारत संदेश

निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार की व्यवस्था पर बड़ा सवाल

कौशांबी। देश आजादी के बाद निर्वाचन व्यवस्था कायम करने के बाद निर्वाचन प्रक्रिया को दो खंड में बांट दिया गया है ग्राम पंचायत नगर पंचायत की मतदाता सूची अलग बनाई गई है जबकि लोकसभा विधानसभा के लिए मतदाता सूची अलग है दोनों मतदाता सूची के व्यवस्था के लिए दो अलग विभाग बनाए गए हैं जिससे मतदाता सूची के नामों में बड़ा फर्क 70 साल बाद भी नहीं सुधर सकता है जिसके चलते मतदान का प्रतिशत नहीं बढ़ पाता है आखिर मतदाता सूची एक करने में केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग को क्यों एतराज है कांग्रेस भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दल के नेता केंद्र में सत्तासीन हो चुके हैं लेकिन दो मतदाता सूची को एक करने की ओर किसी ने भी पहल नहीं की है मतदान का प्रतिशत बढ़ाए जाने को लेकर निर्वाचन आयोग से लेकर सरकार और पार्टी के नेता बराबर बयानबाजी करते हैं लेकिन व्यवस्था के मूल हिस्से की कमी को नजरअंदाज कर देते हैं जिसका खामियाजा यह है कि अकूत धन खर्च करने के बाद भी मतदान का प्रतिशत नहीं बढ़ रहा है यदि ग्राम पंचायत और विधानसभा की मतदाता सूची को एकत्रित कर आधार कार्ड से लिंक कर दिया जाए और दोनों विभागों को एक में समाहित कर दिया जाए तो उम्मीद जताई जा रही है कि मतदान का प्रतिशत तेजी से बढ़ेगा और मतदान के दौरान गड़बड़ी की आशंका भी खत्म हो जाएगी समाज के प्रबुद्ध वर्ग ने मतदाता सूची एक किए जाने की मांग केंद्र सरकार से की है।

सपा नेता की बेरुखी से बसपा में जाने को मजबूर हुए मतदाता

कौशाम्बी। चायल विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के नेताओं के बेरुखी से नाराज होकर मतदाता बसपा में जाने को मजबूर हैं अभी प्रदेश में सपा की सरकार बनी नहीं है लेकिन युवजनसभा के नेता को अभी से सत्ता का भूत सताने लगा है इसके चलते वह मतदाताओं को धमकियां दे रहे हैं और धमकी के चलते मतदाता मजबूर होकर बहुजन समाज पार्टी की ओर रुख कर रहे हैं अगर इसी तरह का माहौल रहा तो सपा डगमगा जाएगी युवजन सभा के सचिव ने प्रत्याशी के प्रचार के दौरान ग्रामीणों को ले जाने से इंकार कर दिया जिससे ग्रामीण आक्रोशित हो उठे हैं युवजन सभा के सचिव अनिल यादव ने कृष्णा डोली गांव के ग्रामीणों से कहा कि आप लोगो की हमारे पास कोई जरूरत नहीं है सपा नेता के इस बयान बाजी के बाद से बसपा प्रत्याशी अतुल दिवेदी की तरफ कृष्णा डोली गांव के लोगों का ध्यान आकर्षित होने लगा है क्षेत्र में प्रचार के दौरान युवजनसभा के नेता ग्रामीणों को साथ ले जाने से इंकार कर रहे हैं जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है जिससे ग्रामीणों के बीच आक्रोश फैल गया जिसका नतीजा यह है कि इन दिनों समाजवादी पार्टी के नुक्कड़ सभा से ज्यादा बहुजन समाज पार्टी की नुक्कड़ सभा में भीड़ दिखाई पड़ रही है।

....ऐसा विधायक चुनिए जो 24 घंटे आपके लिए रहे उपलब्ध : राजा भैया

भारी भीड़ को संबोधित कर प्रत्याशी अनिल केसरवानी के लिए राजा ने मांगा वोट

जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया कौशांबी जिले के चायल विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने कौशांबी जिले के चायल विधानसभा क्षेत्र में जगह-जगह पर सभा कर प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करने की अपील की है कार्यकताओं पदाधिकारियों ने जगह-जगह पर जोरदार तरीके से माल्यार्पण राजा भैया का स्वागत किया है इस दौरान हजारों लोग मौजूद रहे।

चायल विधानसभा क्षेत्र से जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी अनिल केसरवानी के समर्थन में पूर्व काबीना मंत्री जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुँवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भरवारी कस्बे में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विधायक वह चुनो जो 24 घंटे आपके लिए उपलब्ध रहे उन्होंने कहा कि ऐसा विधायक मत चुनो जो जीत जाने के बाद क्षेत्र छोड़कर गायब हो जाए उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए राजा भैया ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रत्याशी अनिल केसरवानी के बीच केवल गंगा नदी पार करने का अंतर है यदि विधायक समस्याओं का समाधान नहीं कर पाते तो राष्ट्रीय अध्यक्ष दूर नही है गंगा नदी पार करना है राष्ट्रीय अध्यक्ष के पास कुंडा से समस्याओं का समाधान होगा किसी भी जनता को समस्याओं से ग्रसित होकर जूझना नहीं पड़ेगा उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का पूरा समाधान किया जाएगा।

उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए राजा भैया ने बिना किसी राजनैतिक दल के नाम लिए जनसत्ता दल के प्रत्याशी अनिल केसरवानी का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि यह प्रत्याशी आपके क्षेत्र का है सीधा सज्जन है किसी प्रकार का कोई मुकदमा नहीं है और वैश्य समुदाय के लोगों के बीच इसकी मजबूत पकड़ है पूरा वैश्य समुदाय ने अनिल केसरवानी का समर्थन किया है इन्हें जिताइये कार्यक्रम के शुरूआत में माल्यार्पण कर कार्यकताओं ने राजा भैया का जोरदार तरीके से स्वागत किया है जैसे ही राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का काफिला गंगा नदी पार का टोल प्लाजा पहुंचा कार्यकताओं ने जोरदार तरीके से उनका स्वागत किया है इसके बाद काफिला मूरतगंज पहुंचा वहां भी भीड़ के बीच उनका जोरदार स्वागत किया गया है जिले के सराय अकिल सहित विभिन्न स्थानों पर उपस्थित जनसमुदाय को रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने संबोधित कर अनिल केसरवानी के समर्थन में मतदान करने की अपील की है कार्यक्रम में पूर्व सांसद शैलेन्द्र कुमार के न ओझा विधायक बलवीर सिंह अश्वनी सिंह इरफान अहमद राजू सक्सेना बीरेंद्र सिंह प्रधान प्रत्याशी अनिल कुमार राकेश अरोरा बाबू अग्रवाल अतिन कुमार शिव कुमार पवन पांडेय मनोज कुमार सिंह प्रधान राजू सिंह सहित हजारो लोग मौजूद रहे।

चंद्रबली पटेल का मंच से चले जाने का खामियाजा भुगतेगी समाजवादी

अखंड भारत संदेश

गठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में चंद्रबली का बढ़ रहा है झुकाव सपा का नुकसान और अपना दल एस भाजपा गठबंधन प्रत्याशी को दिखाई पड़ रहा है लाभ

कौशाम्बी। चायल विधानसभा क्षेत्र के समसपुर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्री की सभा विधानसभा प्रत्याशी पूर्व विधायक पूजा पाल के समर्थन में मंगलवार को आयोजित थी समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और चायल विधानसभा से समाज वादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी चंद्रबली पटेल भी मंच पर मौजूद थे लेकिन मंच पर ही प्रत्याशी पूजा पाल के समर्थकों ने यह स्थिति उत्पन्न कर दी कि चंद्रबली पटेल को मंच छोड़कर भाग जाना पड़ा सपा के वरिष्ठ नेता का कार्यक्रम की शुरूआत में ही मंच छोड़कर चले जाना चायल विधानसभा समाज वादी प्रत्याशी के लिए अशुभ संकेत शुरू हो गया है माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूजा पाल के समर्थकों के इस कारनामे के चलते पूजा पाल की विधानसभा की राह बेहद कठिन होगी और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता के अपमान के बदले समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूजा पाल को विधानसभा सीट गंवानी पड़ सकती है।

बताते चलें कि वर्ष 2012 के चुनाव में समाजवादी पार्टी ने चंद्रबली पटेल को चायल विधानसभा से प्रत्याशी घोषित किया था और बहुजन समाज पार्टी ने आसिफ जाफरी को प्रत्याशी बनाया था दोनों के बीच कड़ी टक्कर हुई थी और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी चंद्रबली पटेल को 53506 मत मिले लेकिन 54796 मत पाकर बसपा के बैनर तले आसिफ जाफरी विधायक बन गए समाजवादी पार्टी के धुरंधर नेता चंद्रबली पटेल का इस तरह से पार्टी छोड़कर मंच से चले जाना समाजवादी पार्टी के लिए घातक होगा।

अपना दल एस भाजपा गठबंधन ने नागेंद्र प्रताप सिंह पटेल को प्रत्याशी घोषित किया है और गठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में चंद्रबली का झुकाव बढ़ रहा है जिससे सपा का नुकसान और अपना दल एस भाजपा गठबंधन प्रत्याशी को लाभ दिखाई पड़ रहा है।

मनौरी बाजार में जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का भव्य स्वागत हुआ

सैकड़ो गाड़ियों के काफिले के साथ राजा भैया पहुंचे मनौरी बाजार

कौशाम्बी। चायल विधान सभा के जनसत्ता दल के प्रत्याशी अनिल केशरवानी के चुनाव प्रचार में आज जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुँवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया मनौरी बाजार पहुचे हजारो की संख्या में व्यापारियों ने राजा भैया का भव्य स्वागत किया राजा भैया ने आम जनमानस से अपील किया कि आप लोग अनिल केशरवानी को आरी चुनाव निशान का बटन दबाकर जिताये अगर मेरी पार्टी का कोई विधायक जीतने के बाद आपकी न सुने तो सीधे मेरे पास आइए हम आपकी हर समस्या का समाधान करेंगे जनसत्ता दल में सभी जाति के लोग है ये दल किसी एक जाति बिरादरी का नही है इसलिए आप सभी लोग मिलकर अनिल केशरवानी को जिताने का काम कीजिये हम हमेशा आप बीच खड़े मिलेंगे सभा मे मुख्य रूप से शम्भू लाल केशरवानी, पंकज उर्फ भानू केशरवानी, नरोत्तम दास केशरवानी, सुधीर केशरवानी,रतन केशरवानी, दीपू केशरवानी, रवि केशरवानी, रिंकू केशरवानी, मानस केशरवानी,राम चन्द्र केशरवानी उर्फ मुन्ना,आदि हजारो लोग मौजूद रहे।

व्यापारी करेगा अनिल केसरवानी का समर्थन : शंभूलाल

कौशाम्बी भारतीय जनता पार्टी छोड़कर जनसत्ता दल में शामिल हुए वरिष्ठ भाजपा नेता व्यापारियों के मसीहा शंभू लाल केशरवानी ने कहा कि जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व काबीना मंत्री कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने चायल विधानसभा से ब्यापारी नेता अनिल केशरवानी को विधानसभा का टिकट देकर व्यापारियों का सम्मान बढ़ाया है उन्होंने कहा कि व्यापारी समुदाय जनसत्ता दल के प्रत्याशी अनिल केसरवानी का खुलकर समर्थन करेगा मनौरी बाजार के व्यापारियों ने शंभूलाल की बातों का समर्थन किया।

गंदगी से बजबजा रहे स्कूल पंचायत भवन सामुदायिक भवन गांव की गली

अखंड भारत संदेश

बिना ड्यूटी दिए बराइसा ग्राम पंचायत और बल्लहा ग्राम पंचायत के मजरा कुतुब आलमपुर में सफाई कर्मियों को दिया जा रहा वेतन, जिला पंचायत राज अधिकारी व्यवस्था को सुधारने में सक्षम नहीं साबित हो रहे हैं उनकी लापरवाही के चलते पूरे जिले की व्यवस्था चौपट

कौशाम्बी। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है सफाई कर्मी मनमानी पर उतारू है जिला पंचायत राज अधिकारी और उनके अधीनस्थ सफाई कर्मियों की निरंकुशता पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं जिससे एक तरफ जहां सरकार का खजाना खाली हो रहा है वही ग्रामीणों को गंदगी से जीवनयापन करना पड़ रहा है गांव क्षेत्र के प्राथमिक उच्च प्राथमिक विद्यालयों के परिसर और स्कूलों के शौचालय की सफाई महीनों बीत जाने के बाद भी सफाई कर्मियों द्वारा नहीं की जाती है पंचायत भवन और सामुदायिक भवन में गंदगी से बजबजा रहे हैं सरकारी स्कूल में सफाई ना होने के बाद भी विभागीय अधिकारी मूक दर्शक बने हैं जिससे सफाई कर्मी बेलगाम हो चुके हैं इन पर कठोर कार्यवाही करते हुए अंकुश लगाए जाने की सख्त जरूरत है। पूरे जिले की चौपट सफाई व्यवस्था की हकीकत खंगालने के लिए जब मंझनपुर विकासखंड क्षेत्र के बराइसा ग्राम पंचायत की सच्चाई देखी गई तो गांव की तमाम गलियां गंदगी से बजबजा रही हैं नालियों में कीचड़ भरा हुआ है सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है ग्रामीणों ने बताया कि महीनों से गांव में सफाई नहीं हुई है बराइसा ग्राम सभा में विकलांग महिला की ड्यूटी सफाई कर्मी के पद पर लगाई गई है जो कभी भी गांव नहीं आती है ग्रामीणों ने बताया कि कई महीने पहले उसका पति गांव में सफाई करने आया था लेकिन उसके बाद उसका पति भी गायब हो गया है इस संबंध में पंचायत सचिव का कहना है कि सफाई कर्मी का वेतन रोक दिया गया है इसी तरह मंझनपुर विकास खंड क्षेत्र के बल्लाहा ग्राम पंचायत के मजरा कुतुब आलमपुर में सफाई कर्मी कई महीने से नहीं पहुंचा है जिससे पूरे मजरे में गंदगी व्याप्त है नालियां कीचड़ से बजबजा रही हैं नालियों से उठ रही दुर्गंध से ग्रामीण परेशान हैं स्वच्छ भारत अभियान के नाम पर सफाई कर्मी को प्रत्येक महीने वेतन दिया जा रहा है कुतुब आलमपुर गांव में तैनात सफाई कर्मी पूरे दिन विकास भवन के बाहर बैठा गप्पे लगाता रहता है चचाओं पर जाएं तो विकास भवन के कर्मी के माध्यम से सफाई कर्मी से 3 हजार रुपए महीना डीपीआरओ कार्यालय तक पहुंच रहा है जिससे बिना ड्यूटी दिए कुतुब आलमपुर के सफाई कर्मी को प्रत्येक महीने वेतन जारी हो रहा है वह कर्मचारी कौन है जो सफाई कर्मी से डीपीआरओ के नाम पर प्रत्येक महीने घूस की रकम वसूल रहा है यदि उक्त कर्मी के कारनामों की जांच हुई तो सफाई कर्मी के साथ साथ उक्त कर्मी को भी दण्डित होना पड़ सकता है लेकिन जिला पंचायत राज अधिकारी व्यवस्था को सुधारने में सक्षम नहीं साबित हो रहे हैं उनकी लापरवाही के चलते पूरे जिले की व्यवस्था चौपट है बिना काम किए प्रत्येक महीने सरकारी खजाने से वेतन अवमुक्त किया जा रहा है यदि इस मामले को शासन ने संज्ञान लिया तो सफाई कर्मियों की लापरवाही पर लापरवाह बनने वाले जिला पंचायत राज अधिकारी पर भी कठोर कार्यवाही हो सकती है।

सत्ता सुख के लालच में सिद्धांतों को त्याग देने वाली पूर्व विधायक पूजा पाल का विश्वास नही कर पा रही जनता

अखंड भारत संदेश

समाजवादी पार्टी की चायल विधानसभा प्रत्याशी पूर्व विधायक पूजा पाल के पति विधायक राजू पाल की हत्या के बाद हत्यारों की मदद करने का लगातार समाजवादी पार्टी पर लगता रहा आरोप

कौशाम्बी। चायल विधानसभा से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूर्व विधायक पूजा पाल के पति राजू पाल की हत्या किए जाने के बाद हत्यारों की खुलेआम मदद करने का आरोप समाजवादी पार्टी पर लगता रहा समाजवादी सरकार के प्रति तरह-तरह के आरोप पूर्व विधायक पूजा पाल लगाती रही लेकिन अचानक उन्होंने बहुजन समाज पार्टी को छोड़ कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ले ली और अखिलेश यादव ने पूजा पाल को चायल विधानसभा से समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी घोषित कर दिया आखिर पूजा पाल के पति विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में आरोपी सांसद अतीक अहमद और असरफ आदि की मदद करने वाले समाजवादी सरकार में शामिल होने के समय आखिर पूर्व विधायक पूजा पाल ने सिद्धांत की बलि क्यो चढ़ा दी पति के अरमानों पर जिसने पानी फेर दिया जिसने सत्ता सुख में सिद्धांतों को त्याग दिया स्वार्थ के चलते सिद्धांतों की बलि चढ़ाने वाली पूजा पाल पर चायल विधानसभा के मतदाता कैसे विश्वास करें कि वह अपने सिद्धांतों पर कैसे कायम रहेगी और चुनाव के समय जनता से किए गए वादे को समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूर्व विधायक पूजा पाल निष्ठा पूर्ण निभाएंगी सत्ता सुख के लालच में अपने सिद्धांतों को त्याग देने वाली पूर्व विधायक पूजा पाल का विश्वास चायल क्षेत्र की जनता नहीं कर पा रही है।

संपादक की कलम से

यूक्रेन बॉर्डर पर रूस की बढ़ी गतिविधियां

रूस और यूक्रेन के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी का आरोप लगाए है। इसी बीच अमेरिका ने सबसे विस्तृत चेतावनी जारी करते हुए पश्चिमी देशों को सतर्क किया है। अमेरिका ने कहा कि क्रेमलिन कोई बहाना बनाकर यूरोप में एक नया युद्ध छेड़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बताया कि रूस के पीछे हटने का कोई संकेत नहीं मिल रहा है, इसकी बजाय और सैनिक यूक्रेन की सीमा पर एकत्रित हो रहे हैं, जिससे पता चलता है कि मास्को कभी भी हमला कर सकता है। बाइडेन ने व्हाइट हाउस में बताया कि हमारे पास इसकी पूरी जानकारी है कि वे यूक्रेन पर हमला करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास यह मानने के पर्याप्त कारण हैं रूस युद्ध शुरू करने के लिए कोई भी बहाना बना सकता है। पश्चिमी देशों को आशंका है कि रूस के 1,50,000 सैनिक यूक्रेन की सीमा पर तैनात हैं। क्रेमलिन का दावा है कि उसकी आक्रमण की कोई योजना नहीं है। वहीं ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने एक मैप जारी करते हुए अहम खुलासा किया है और बताया कि रूस आखिरकार किस तरह से यूक्रेन पर बिना भी चेतावनी के हमला कर सकता है। लात्विया के रक्षा मंत्री और उप प्रधानमंत्री आर्टीज पाबरिक्स ने एक नक्शा ट्वीट किया। जिसके माध्यम से उन्होंने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया है। संकट का हों शांतिपूर्ण समाधान रूस-यूक्रेन में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने शांतिपूर्ण समाधान की बात की। उन्होंने कहा कि इस समय शांतिपूर्ण और रचनात्मक कूटनीति की जरूरत है और वह इस मामले में सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है। इसके साथ ही भारत ने रेखांकित किया कि यूक्रेन में 20,000 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

तेजस: लाइक ए डायमंड इन द स्काई

-योगेश कुमार गोयल-

15 से 18 फरवरी तक आयोजित सिंगापुर एयर शो के पहले ही दिन स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान एलसीए तेजस ने लो-लेवल एयरोबैटिक्स डिस्प्ले में हिस्सा लेकर सिंगापुर के आसमान में गर्जना करते हुए अपनी कलाबाजियों से न सिर्फ तमाम लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया बल्कि अपने पराक्रम और मारक क्षमता की पूरी दुनिया के समक्ष अद्भुत मिसाल भी पेश की। सिंगापुर के आसमान में कलाबाजियां करते तेजस की तस्वीरें भारतीय वायुसेना द्वारा ह्यलाइक ए डायमंड इन द स्काईह्ल लिखकर ट्वीट की गई। गौरतलब है कि सिंगापुर एयरशो हर दो साल में एक बार आयोजित होता है, जिसमें दुनियाभर के फाइटर जेट्स हिस्सा लेते हैं। यह एयर शो एविएशन इंडस्ट्री के लिए पूरी दुनिया को अपने एयरक्राफ्ट दिखाने का बेहतरीन अवसर होता है और विश्वभर की विमानन कम्पनियां इसके जरिये अपने उत्पादों की मार्केटिंग करती हैं। एयर शो में भारत द्वारा भी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित स्वदेशी ह्यतेजसह्ल की मार्केटिंग पर जोर दिया गया। इस एयर शो में भारतीय वायुसेना के तेजस के अलावा यूनाइटेड स्टेट्स एयरफोर्स, यूनाइटेड स्टेट्स मरीन कॉर्प्स, इंडोनेशियाई वायुसेना की जुपिटर एयरोबैटिक टीम, रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयरफोर्स इत्यादि की विशेष भागीदारी रही। सिंगापुर एयरशो 2022 में

शामिल होने के लिए वायुसेना का 44 सदस्यों का एक दल 12 फरवरी को ही स्वदेशी फाइटर जेट, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, एलसीए तेजस मार्क-वन के साथ सिंगापुर पहुंच गया था। एयरोबैटिक्स में हिस्सा लेकर एलसीए तेजस ने अपनी संचालन से जुड़ी विशेषताओं तथा गतिशीलता को प्रदर्शित किया और पूरी दुनिया को दिखाया कि आखिर तेजस कितना ताकतवर लड़ाकू विमान है। सिंगापुर एयर शो से पहले भारतीय वायुसेना 2021 में दुबई एयर शो और 2019 में मलेशिया में लिमा एयर शो में भी हिस्सा ले चुकी है।

एचएएल द्वारा निर्मित तेजस प्रमुख रूप से हवाई युद्ध और आक्रामक तरीके से हवाई सहायता मिशन में काम आने वाला विमान है। यह एकल इंजन और बहु-भूमिका वाला ऐसा बेहद फुर्तीला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान है, जो हवाई क्षेत्र में उच्च-खतरे वाली स्थितियों में संचालन करने में सक्षम है। टोही अभियान को अंजाम देने तथा पोत रोधी विशिष्टताएं इसकी द्वितीयक गतिविधियां हैं। भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल तेजस फाइटर जेट को पूरी दुनिया की प्रशंसा मिल रही है। दरअसल एचएएल का यह अत्याधुनिक हल्का लड़ाकू विमान पहले ही सारे परीक्षण बड़ी कुशलता से पास कर चुका है और अमेरिका जैसे विकसित देश ने भी तेजस को अपने सेगमेंट में दुनिया के बेहतरीन फाइटर जेट्स में से एक माना है। तेजस की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि पूर्णतया देश में ही विकसित करने के बाद इसकी ढ़ेरों परीक्षण उड़ान होने के बावजूद अब तक एक बार भी कोई भी उड़ान विफल नहीं रही और न ही किसी तरह का कोई हादसा हुआ। यही कारण है कि कई देशों का भरोसा भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों के साथ-साथ तेजस जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों पर भी बढ़ा है। भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा रक्षा बजट वाला देश है और अभी तक भले ही अपनी ज्यादातर रक्षा सामग्री का विदेशों से आयात करता रहा है लेकिन बीते कुछ वर्षों से भारत रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसके साथ ही रक्षा सामग्री के आयातक से निर्यातक बनने की राह पर भी अग्रसर है। रक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 तक रक्षा निर्माण में 25 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये) के कारोबार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 5 अरब डॉलर (35 हजार करोड़ रुपये) के सैन्य हार्डवेयर का निर्यात लक्ष्य भी शामिल है।

अगर तेजस की विशेषताओं की बात करें तो यह एचएएल द्वारा भारत में ही विकसित किया गया हल्का और मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे वायुसेना के साथ नौसेना की जरूरतें पूरी करने के हिसाब से तैयार किया जा रहा है। तेजस संस्कृत भाषा का नाम है, जिसका अर्थ है ह्यअत्यधिक ताकतवर ऊर्जाह्ल। ह्यतेजसह्ल का यह अधिकारिक नाम 4 मई 2003 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा रखा गया था। मिग-21 लड़ाकू विमानों की पुरानी होती तकनीक को देखते हुए मिग विमानों का उपयुक्त विकल्प तलाशने और घरेलू विमानन क्षमताओं की उन्नति के उद्देश्य से देश में 1981 में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम शुरू किया गया था। उसी के बाद 1983 में तेजस विमानों की परियोजना की नींव रखी गई थी। तेजस का जो सैंपल तैयार किया गया, उसने अपनी पहली उड़ान जनवरी 2001 में भरी थी लेकिन सारी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद यह हल्का लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन में 2016 में ही शामिल किया जा सका। 2015 में तेजस को वायुसेना में शामिल करने की घोषणा हुई थी, जिसके बाद जुलाई 2016 में वायुसेना को दो तेजस सौंप दिए गए थे। वायुसेना को करीब दो सौ तेजस विमानों की जरूरत है। पिछले वर्षों में वायुसेना एचएएल को 40 तेजस विमानों की खरीद का ऑर्डर दे चुकी है, जिनमें से आधे से ज्यादा वायुसेना को मिल चुके हैं और गत वर्ष 83 तेजस विमानों का नया सौदा भी किया गया था। ये सभी तेजस फाइटर जेट वायुसेना के बेड़े में शामिल होने के बाद वायुसेना की जरूरतें पूरा करने में काफी मदद मिलेगी। दरअसल वायुसेना में अभी तेजस की कुल दो स्क्वाड्रन हैं और 83 तेजस मिलने के बाद इनकी संख्या 6 हो जाएगी, जिनकी तैनाती अनिवार्य रूप से फ्रंटलाइन पर होगी।

रंगमंच की दुनिया के बादशाह थे सुरेंद्र कौशिक

-डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट-

रंगमंच के महान कलाकार एवं नाट्य निर्देशक सुरेंद्र कौशिक ने इब्राहिम अलकाजी की प्रेरणा से सन 1964 में मेरठ में मुक्ता काश नाट्य संस्थाशन और थियेटर की स्थापिना की थी। इस संस्थानन से नाट्य प्रशिक्षण का दो वर्षीय नाट्य डिप्लो मा दिया जाता था। 15 अगस्तय सन 1938 में जन्में रंगकर्मी सुरेंद्र कौशिक ने मेरठ में ओपन थियेटर को स्थालपित किया था। एमए तक की पढ़ाई करने के बाद उन्होंनि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय दिल्लीश से नाट्य विधा में डिप्लो मा किया। उनके साथ कई फिल्म कलाकार भी छात्र रहे। मुक्ता काश के कलाकार घूम घूम कर नाट्य का मंचन करते थे। मेरठ के कलाकारों के साथ मिलकर सुरेंद्र कौशिक ने एक प्रेक्षागृह भी बनवाया था। थियेटर को आगे बढ़ाने के लिए कई अन्यक आडिटोरियम का भी निर्माण कराया था।सुरेंद्र कौशिक मेरठ के अलावा देश के अलग-अलग हिस्सोंा में जाकर नाटक का मंचन करते थे। पंच परमेश्वरर के नाट्य रुपांतर से उन्होंने रिकार्ड बनाया। हर रविवार को मुक्ताककाश प्रेक्षागृह में नाटक का मंचन होता था। अलग अलग जगह पर उन्होंने 68 नाटक और 44 से अधिक एकांकी नाटकों का निर्देशन और प्रदर्शन किया। एक हजार से अधिक नुक्कअड़ नाटकों का प्रदर्शन भी किया था। वह एक बार फिर मेरठ में पंच परमेश्वरर का मंचन करना चाहते थे, लेकिन महाप्रयाण के कारण उनकी यह हसरत अधूरी ही रह गई। बीती नौ फरवरी को उन्होंरने अपनी शादी की 51 वीं सालगिरह भी मनाई थी। वह अपने पीछे पुत्र आकाशदीप कौशिक, बेटी मुक्ताश और पत्नीश इंदू कौशिक को छोड़ गए हैं। रंगकर्मी सुरेंद्र कौशिक की इच्छाश के अनुसार उनके निधन के बाद उनकी दोनों आंखें दान कर दी गईं। मेरठ के सूरजकुंड में उनका अंतिम संस्कामर किया गया।वे बताते थे कि रूढ़िवादी सोच के कारण नाटक व अभिनय को तब लोग अच्छा नहीं मानते थे। अक्सर मंचन के दौरान लोग पत्थर भी फेंकते थे लेकिन वह डिगे नहीं। जुम्मन मियां के किरदार में उन्हें घर-घर पहचान दिलाई। सामाजिक जागरूकता के लिए उन्होंने 26 हजार नाटक का मंचन किया।रंगकर्मियों ने सुरेंद्र कौशिक के सूरजकुंड पहुंचकर उनके अंतिम दर्शन किए। भारत भूषण शर्मा, विनोद कुमार बेचैन, अनिल शर्मा, हेमंत गोयल, जितेंद्र सी. राज, ओडी राजपूत, शोएब पठान समेत अनेक गणमान्य लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुंबई से अभिनेता मुकुल नाग, गिरीश थापर, दिनेश अहलावत, सुरेंद्र सागर, नीरज शर्मा, प्रोफेसर असलम जमशेदपुरी, प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहानी ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें नमन किया।सामाजिक कुरीतियों पर नाटकों के माध्यम से चाबुक चलाने के उद्देश्य से शुरू हुई इस नाट्य संस्था ने मेरठ के युवा कलाकारों की कला को एक मुक्त गगन दिया। जहां रंगकर्म में रुचि रखने वाले युवाओं को अभिनय की बारीकियां सीखने का अवसर मिला। साथ ही युवा रंगकर्मियों की प्रतिभा का नया मंच मिला। तब से संस्था लगातार मेरठ में सजीव रंगकर्म की ज्योति जलाए रहे।

मुक्ताकाश नाट्य संस्था अब तक हजारों नाटको का मंचन कर चुकी है। सुरेंद्र कौशिक को सन 1988 में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भी मिल चुका है। साथ ही किशोर कुमार कला सम्मान, रत्न अवार्ड, चतुरंग अवार्ड, फिदा हुसैन नरसी अवार्ड, अप्टा द्वारा नाट्य शिरोमणि लाइफ टाइम सम्मान 2012, संस्कार गौरव सम्मान, इप्टा द्वारा भीष्म साहनी सम्मान 2015 से सम्मानित हो चुके हैं। बिरजू महाराज के हाथों उन्हें मेरठ गौरव सम्मान भी मिल चुका है।उनके नाट्य संस्थान का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों को नाट्य कला, साहित्य व तकनीक के माध्यम से समाज के सामने लाना था। हर रविवार संस्था द्वारा नाटकों का मंचन होता था।

उनके द्वारा जिन नाटकों का मंचन हुआ,उनमे शहंशाह इडिपस, पंच परमेश्वर, कांचन रंग, मृच्छकीटकम, कंजूस, रजनी गंधा, ताजमहल का टेंडर, चरनदास चोर, बिच्छू, दीवार में एक खिड़की रहती थी, आषाढ़ का एक दिन, जलछवि, त्रिशंकु, आजादी की मशाल, हिंदुस्तान हमारा सहित सैकड़ों नाटकों शामिल है। पंच परमेश्वर नाटक का सबसे ज्यादा मंचन संस्था द्वारा किया गया है। इसके लिए संस्था को रुड़की आईआईटी द्वारा सम्मानित भी किया गया। साथ ही बेटी का ब्याह, नया सवेरा, सफल पत्नी आदि नाटकों का मंचन व नुक्कड़ नाटक

ों का मंचन भी संस्था कर चुकी है। नेशनल लॉ सर्विस अथॉरिटी द्वारा दिल्ली में महिला दिवस पर सम्मान दिया गया। संस्था ने स्वयं बाढ़ सहायता कोष व सांप्रदायिक दंगों के वक्त सौहार्द बनाए रखने के लिए भी नाटक मंचित किए । सुरेंद्र कौशिक अब हमारे बीच नही है,लेकिन उनकी नाट्य कला और तराशे गए शिष्यों का हुनर सफलता के रंग भरती रहेगी।

तीसरा चरण में मुलायम कुनबे की होगी सबसे बड़ी और कड़ी परीक्षा

-अजय कुमार-

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का तीसरा चरण 20 फरवरी को मतदान के साथ सम्पन्न हो जाएगा। तीसरे चरण में सबसे अधिक प्रतिष्ठा समाजवादी कुनबे के नेताओं की जीत-हार पर टिकी हुई है। तीसरे चरण में ही समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एवं उनके चचा शिवपाल यादव के भाग्य का फैसला होगा। करहल विधान सभा सीट पर अखिलेश के खिलाफ भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री और दलित नेता एसपी बघेल को चुनाव मैदान में उतारा है। इसके अलावा इसी चरण में फरुर्खाबाद सीट पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी लुईस खुर्शीद, कन्नौज सीट से आईपीएस से पॉलिटिशियन बने असीम अरुण, कानपुर नगर के महाराजपुर विधानसभा सीट से योगी सरकार में मंत्री सतीश महाना,सादाबाद सीट से कभी बहुजन समाज पार्टी का ब्राह्मण चेहरा रहे और अब बीजेपी के प्रत्याशी रामवीर उपाध्याय,सिरसागंज सीट से बीजेपी के प्रत्याशी और मुलायम सिंह यादव के समधी हरिओम भी मैदान में ताल ठोंक रहे हैं। सबसे चर्चित मुकाबला करहल में अखिलेश बनाम एसपी सिंह के बीच होने की उम्मीद है। अखिलेश करहल से न केवल प्रत्याशी हैं, बल्कि समाजवादी पार्टी

की तरफ से मुख्यमंत्री पद के दावेदार भी हैं। इसी के चलते करहल विधान सभा सीट इतनी वीआईपी हो गई है कि यहां से समाजवादी प्रत्याशी और पूर्व सीएम अखिलेश यादव को जिताने के लिए पूर्व सपा प्रमुख और अखिलेश के पिता मुलायम सिंह तक को भी मैदान में कूदना पड़ गया। मुलायम का स्वास्थ्य काफी खराब चल रहा था, उन्हें यहां तक पता नहीं था कि करहल से अखिलेश चुनाव लड़ रहे हैं, जनसभा को संबोधन के दौरान जब पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव ने नेताजी को याद दिलाया कि अखिलेश उम्मीदवार हैं, उनके लिए वोट मांगे तब मुलायम ने अखिलेश के लिए वोट मांगा। मुलायम की सांस बुरी तरह से फूल रही थी।

करहल में अखिलेश को जिताने के लिए लम्बे समय से प्रोफेसर रामगोपाल यादव और धमेन्द्र यादव सहित तमाम सपा के दिग्गज नेता यहां डेरा डाले हुए हैं। जब मुलायम सिंह यादव जनसभा को संबोधित कर रहे थे तब शिवपाल यादव भी मंच पर मौजूद थे, लेकिन उनकी जुबान और बॉडी लैंग्वेज में काफी अंतर नजर आ रहा था। बात भारतीय जनता पार्टी की कि जाए तो भाजपा प्रत्याशी एसपी बघेल के समर्थन में केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तमाम दिग्गज नेताओं ने करहल में रैली की। अमित शाह ने तो जनता को यहां तक याद दिलाया कि अखिलेश ने जब नामांकन करा था तब कहा था कि अब वह 10 मार्च को सार्टिफिकेट लेने आएंगे, लेकिन छठे ही दिन उन्हें (अखिलेश को) पूरे कुनबे के साथ प्रचार के लिए आना पड़ गया। बहरहाल, मुलायम कुनबे के वर्चस्व वाली तमाम विधान सभा सीटों पर इसी चरण में मतदान हो रहा है। वहीं भारतीय जनता पार्टी कहती है कि उसने तो 2017 में ही मुलायम कुनबे को चारों खाने चित कर दिया था। बीजेपी एक बार फिर वर्ष 2017 के करिश्मे को दोहराने की कोशिश में है। 2017 में इस चरण की 59 में से 49 सीटों पर भाजपा ने कब्जा जमाया वर्ष 2017 में अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बीच तकरार ने यादव वोट बैंक में भी बिखराव जैसी स्थिति पैदा की थी। इस बार उसे पाटने की कोशिश की गई है, लेकिन साथ आने के बाद भी अखिलेश और शिवपाल के बीच मनमुटाव बरकरार है, यह कई मौके पर दिखाई भी दिया है। शिवपाल यादव के बेटे तक को टिकट नहीं मिल पाया है। तीसरे चरण के चुनाव में जिन यादव बाहुल्य सीटों पर मुकाबला जोरदार होने वाला है।

युवा पीढ़ी में बदलाव

-सिद्धार्थ शंकर-

पिछले दो दशक से युवा पीढ़ी में बदलाव को लेकर भारत में लगातार संवाद हो रहा है। कई लोग इस पीढ़ी को पुरानी पीढ़ी से समझदार बताते, तो कई उच्छृंखल कहते हैं। देश के तमाम राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दल इन

पर दांव खेलते हैं, तो सभी राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय व्यावसायिक, औद्योगिक, व्यापारिक घराने इसी पीढ़ी को केंद्र में रख कर अपना भविष्य चमकाने की योजनाएं बना रहे हैं। बैंगन का भर्ता, चोखा, चूरमा, मोमोज बनाने वाले, ठेले वाले से लेकर आलू की चिप्स बनाने वाली कंपनियों तक, गूगल, धर्म-अध्यात्म का व्यवसाय करने वालों तक का ध्येय युवाओं को लुभाना है। एक अध्ययन के मुताबिक, पिछले तीन-चार वर्षों में भारत के युवाओं में सहभाजन अर्थशास्त्र (शेयरिंग इकॉनोमी) का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। युवक "ब्ला-ब्ला" जैसे स्रोतों से गाड़ियां शेयर कर रहे हैं। यह अलग बात है कि अधिकांश लड़के-लड़कियां कार यात्रा शेयर करना पसंद करते हैं। "ब्ला-ब्ला" से एक व्यक्ति ने अपनी भतीजी के जरिए शेयरिंग गाड़ी बुक की, जब कार के मालिक को पता चला कि बुक करने वाली लड़की नहीं, उसके चाचा उसमें जा रहे हैं, तो वे सज्जन अपनी गाड़ी लेकर अकेले जयपुर चले गए। वैसे यह पीढ़ी, जो रिश्तों को लेकर आवश्यकता से अधिक खुली है, इस मामले में भविष्य को भी खतरे में डाल रही है। बाजार का एक ही देवता है, वह है लाभ और केवल लाभ। आज व्यापारी किसी भी तरीके से धन कमाना चाहता है। इसलिए बाजार के खिलाड़ी समाज की परंपराएं और परिभाषाएं भी बदल रहे हैं। यही कारण है कि पहले फर्जी सर्वेक्षण होते हैं। फिर खरीदे हुए अर्थशास्त्रियों से अपने मनमाफिक परिभाषाओं पर बयान दिलवाए जाते हैं। फिर कई शिक्षकों, कॉलेजों को कमीशन देकर ऐसी किताबें पढ़वाई जाती हैं, जिनमें युवाओं को यह तक बताया जाता है कि बचत बुरी चीज है। 50 वर्ष से आदिम दुनिया तक के लोग बचत करते रहे हैं। चाणक्य ने आपात स्थिति के लिए बचत को गृहस्थी का मूल मंत्र बताया है। इन 50 सालों में "बचत" कैसे अप्रासंगिक हो गई। दूसरे, बचत के सिद्धांत से बाजार में कभी मंदी नहीं आती। व्यक्ति धन को बैंक में जमा करता है। जब पूंजी इकट्ठी हो जाती है, तो वह गहने, बच्चों की उच्च शिक्षा, मकान, विवाह पर खर्च करता है। कुछ खास अवसरों पर ज्यादा धन खर्च करता है। अंततः वह धन बाजार में ही पहुंचता है। बचत का धन बैंकों में जमा रहता है। बैंक में धन बेकार नहीं रहता है। बैंक उस धन को प्रतिदिन के हिसाब से स्वरोजगारियों, व्यापारियों और उद्यमियों को कर्ज देने में उपयोग करते हैं। इससे व्यवसाय बढ़ता है। बचत का धन बाजार में कभी भी मंदी के लिए उत्तरदायी नहीं रहता। धन बैंक के माध्यम से बाजार में मौद्रिक तरलता जारी रखता है। बाजार, कई अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों और कॉलेजों का गठजोड़ युवाओं में विलासिता का भाव जगा कर सब कुछ खर्च डालने को बाजार में उतारने के लिए बहुत ही महीन स्तर पर कार्य कर रहे हैं।

गैर बराबरी को गायब मानता बजट

-भारत डोगरा-

इस वर्ष का केन्द्रीय बजट ऐसे समय में आया है जब निर्धन वर्ग गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। एक बड़े आंदोलन के बाद किसान भी सोच रहे थे कि यह बजट उनकी समस्याओं के बेहतर समाधान पर अधिक ध्यान देगा, पर इन उम्मीदों पर यह बजट खरा नहीं उतरा है। टिकाऊ व प्राकृतिक खेती के लिए प्रतिबद्ध अनेक किसान संगठनों व संस्थानों से जुड़े ह्यआशा किसान स्वराज ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि पिछले वर्ष भी कृषि व उससे जुड़े मुद्दों से संबंधित आवंटन कम था, पर इस वर्ष उसमें और भी कमी हुई है। यह क्षेत्र लगभग 16000 करोड़ रुपयों से वंचित हुआ है। यदि कुल बजट के प्रतिशत के रूप में देखा जाए तो कृषि व उससे जुड़े कार्यों का आवंटन पहले 3.87 प्रतिशत था जो अब 3.51 प्रतिशत हो गया है। अपनी प्रतिक्रिया में ह्यआशा किसान स्वराज ने कहा कि वर्ष 2022 में तो किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा था, पर इस वर्ष के बजट भाषण में यह मुद्दा उठाया तक नहीं गया। इस बारे में आंकड़े प्रस्तुत करते हुए संगठन ने बताया है कि इस लक्ष्य से तो अभी किसान बहुत दूर हैं। विभिन्न सरकारी प्रयासों से लाभान्वित होने वाले किसानों व लाभ की मात्रा में कमी आई है। ह्यआशा किसान स्वराज ने बताया है कि कृषि विकास की कुछ महत्त्वपूर्ण योजनाओं व कार्यक्रमों में कटौतियां हुई हैं। उदाहरण के लिए ह्यकिसान उत्पादन संगठन या एफपीओ के लिए वर्ष 2021-22 में 700 करोड़ रुपए का आवंटन हुआ था, जिसे संशोधित अनुमान में काटकर 250 करोड़ रुपए कर दिया गया है। कुछ अन्य कृषि विकास कार्यक्रमों के बजट में भी कटौती हुई है। यह कोई सामान्य समय नहीं है और ऐसे में बहुत जरूरी था कि सरकार गरीबी व बेरोजगारी को कम करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करती। संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 की विकट स्थितियों में विश्व में जितने नए लोग गरीबी की चपेट में आए, उनमें से लगभग आधे, करीब 4 करोड़ से अधिक भारत में थे। दूसरी ओर ह्यप्राईज संस्थान मुम्बई के विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 2015-16 और 2020-21 के बाद भारत के सबसे निर्धन 20 प्रतिशत परिवारों की आय में 53 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि इससे पहले के दशक में वर्ष 2005-06 से 2015-16 के दौरान उन्होंने उल्लेखनीय आय वृद्धि दर्ज की थी। वर्ष 2021 के उपभोक्ता आंकड़ों के विश्लेषण से ह्यसेंटर फॉर मानिटरिंग इंडियन इकॉनॉमी ने बताया है कि लगभग 84 प्रतिशत भारतीयों की स्थिति में कुछ न कुछ गिरावट हुई है।

यादों की शीतलहर

-डॉ. रीना रवि मालपानी-

रामजानकी यूंही बैठे-बैठे यादों की शीतलहर में गुम हो गई। सोच रही थी की कितना बदलाव आ गया नए और पुराने परिवेश के बीच में। पुराने परिवेश में जीवन में थोड़ा ठहराव था, सुकून के पल शामिल थे, अपनत्व वाला एहसास था, कुछ समय की खट्टी-मीठी यादें थी सँजोने के लिए। अब तो जीवन उत्तरोत्तर उन्नति और जरूरत के अनुरूप कार्य को ही अग्रसर है। रामजानकी के स्मृतिपटल पर नानाजी की यादें जीवंत हो रही थी। नानाजी की नियमित आदत थी भोजन के पश्चात कुछ समय वज्रासन में बैठना, दूरदर्शन पर प्रसारित रात की न्यूज सुनना, हमको रोजाना मंदिर लेकर जाना, किसी भी त्यौहार और आयोजन में अच्छे से अच्छे मिष्ठान और भोजन सामाग्री बनवाना एवं कुछ अच्छी और मीठी यादों को जीवन में जोड़ना। हर सीजन के अनुरूप भुट्टा, मूँगफली, ककड़ी, आम के स्वाद को मुँह में स्थायी करना।

पुराने समय में तो लड़के की अत्यधिक चाह हुआ करती थी ताकि वंश वृद्धि हो सकें, पर जब मम्मी को दो लड़कियाँ हुई यानि मैं और दीदी तब भी नानाजी ने खुले दिल और पूरे स्नेह से हमारा स्वागत किया। मम्मी को हर समय समझाते थे की मैं और दीदी तो उनकी जिम्मेदारी है, इसलिए किसी भी प्रकार की चिंता की जरूरत नहीं है। पापा को भी पूरा सहयोग करना, उन्हें बेटे की तरह अपनापन देना। उस समय भी नानाजी की सोच इतनी विशाल थी की वह मम्मी को बेटे से भी बढ़कर मान देते थे। मम्मी उनका साहस थी और मम्मी भी सदैव उनके लिए बेटा साबित हुई। जब छोटी बहन यानि मासी का फ्रेक्चर हुआ तो मम्मी ने बेटे की तरह देखरेख की और नानाजी ने पूर्ण विश्वास दिखाया। नानाजी धोती-कुर्ता पहनते थे इसलिए मैं और दीदी सदैव गाना गया करते थे-ह्नानानाजी-नानाजी भोले भाले नानाजी, धोती-कुर्ता पहनते नानाजीह्ल।

नानाजी की सबसे बड़ी विशेषता थी की वे सदैव समय के अनुरूप कर्मठ रहते थे। उन्होने ज्यादा शिक्षा प्राप्त नहीं की परंतु उनकी गणित की गणना त्वरित थी। खेती के समय कड़ी मेहनत करना, दिन-रात को समान समझकर अपने कार्य को पूरा करना। उन्होने अपनी मेहनत के बल पर समाज में अपनी प्रतिष्ठा बनाई। हम लोगों को भी हर त्यौहार पर नए-नए कपड़े दिलाते। आसपास में सभी का सहयोग करना, सबको खूब हंसाना, गर्मी के दिनों में रात को छत पर पूरे परिवार का इकट्ठा होकर खाना खाना, कुछ समय अंताक्षरी खेलना, हम लोगों को छोटे-छोटे खेल खिलना जैसे-ताश, सापसीढ़ी, सितोलिया इत्यादि। नानाजी के साथ हम शाम को बैठकर भजन भी गाया करते थे। रामजानकी मन ही मन महसूस कर रही थी की कितना सुखद बचपन था नानाजी के सानिध्य में।

इस लघुकथा से यह शिक्षा मिलती है की आज की जिंदगी कितनी खोखली हो चुकी है। मोबाइल, टीवी, कम्प्युटर इन्हीं सब पर खुशियाँ केन्द्रित है। हम लोगों के पास अपने बच्चों को देने के लिए कुछ भी सुनहरी यादें शेष नहीं है। हमारे जीवन से सुकून के पल गायब है। काश हम लोग भी अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए कुछ अच्छी यादें छोड़ सकें। जीवन में सबकुछ होने पर भी रिक्तता है। त्यौहार में हर किसी को व्हात्सप्प पर विश करते है पर वो अपनत्व वाली यादें नहीं है। ईश्वर करें हर किसी के पास रामजानकी जैसी यादों की शीतलहर हो जो जीवन को नई ऊर्जा, ताजगी और मन को प्रफुल्लित कर दें और जीवन में किसी बाहरी प्रेरणा की जरूरत न पड़ें।

ICC T20 WC 2022: यूएई और आयरलैंड ने वर्ल्ड कप के लिए कटाया टिकट

दुबई.यूएई (UAE) और आयरलैंड (Ireland) ने मंगलवार को ओमान के अल अमीरात में क्वालीफायर ए टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाकर ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष ञ्20 क्रिकेट विश्व कप का टिकट कटा लिया. यूएई ने नेपाल के तीन मैच के जीत के अभियान पर रोक लगाते हुए 68 रन से जीत दर्ज की जबकि आयरलैंड ने ओमान को 56 रन से हराया. ओमान ने दूसरी बार ञ्20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है. इससे पहले टीम 2014 में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खेली थी. क्वालीफायर ए में हिस्सा ले रहा एकमात्र पूर्ण सदस्य देश आयरलैंड सातवीं बार ञ्20 विश्व कप में खेलेगा. ये दोनों टीम इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टूर्नामेंट की 13वीं और 14वीं टीम होगी. अंतिम दो टीम जुलाई में होने वाले क्वालीफायर बी से ञ्20 विश्व कप में जगह बनाएंगी

यूएई के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल की शुरुआत खराब रही. तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दिकी ने तीन ओवर के अपने स्पैल में तीन विकेट चटकाकर नेपाल के शीर्ष क्रम को ध्वस्त किया. उन्होंने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख और लोकेश बाम को लगातार गेंद में आउट करके नेपाल का स्कोर तीन रन पर दो विकेट किया. सिद्दिकी ने अपने दूसरे ओवर में फॉर्म में चल रहे कुशाल भुर्तेल को पवेलियन भेजा. यूएई के कप्तान अहमद रजा ने 13वें ओवर में नेपाल को दोहरे झटके देकर उसका स्कोर छह विकेट पर 83 रन किया. गेंदबाज ने जोश में खो दिया आपा, साथी खिलाड़ी को जड़ा थप्पड़, फिर करना पड़ा ऐसा- Video

मैन आफ द मैच रजा ने पारी में पांच विकेट चटकाए जिससे नेपाल की टीम 107 रन पर ढेर हो गई. दीपेंद्र सिंह ऐरी (38) की ओर से शीर्ष स्कोर रहे. इससे पहले यूएई ने वी अरविंद की 23 गेंद में 46 रन की तूफानी पारी से मजबूत स्कोर खड़ा किया.

दूसरी तरफ आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गेरेथ डेलानी की 32 गेंद में 47 रन की पारी से सात विकेट पर 165 रन बनाए. पॉल स्टर्लिंग और एंड्रय बॉलबिर्नी की अनुभवी सलामी जोड़ी नाकाम रही.

डेलानी और हैरी टेक्टर ने चौथे विकेट के लिए 82 रन जोड़कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया.

IND vs SL: स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा टी20 सीरीज से हुए बाहर, कोविड टेस्ट आया पॉजिटिव

नई दिल्ली . श्रीलंका के स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह कोविड से उबर नहीं सके हैं। हसरंगा एक हफ्ते पहले ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान कोविड पॉजिटिव पाए गए, जिसके बाद अब लेटेस्ट टेस्ट में उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में कुसल मेंडिस और बिनुरा फर्नांडो के साथ हसरंगा की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। श्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंका क्रिकेट ने ट्वीट करके लिखा, कोविड पॉजिटिव पाए जाने के बाद आइसोलेशन में रहे वानिंदु हसरंगा की रिपोर्ट फिर पॉजिटिव आई है। खिलाड़ियों का 22 फरवरी को रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) किया गया था। एक पीसीआर टेस्ट ने भी रिजल्ट की पुष्टि की।आईपीएल 2022 नीलामी में हसरंगा आईपीएल इतिहास में सबसे महंगे श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए, उन्हें बेंगलुरु में हुए आईपीएल 2022 मेगा नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा।

पूर्व सिख मॉडल ने IPL के संस्थापक ललित मोदी पर किया मुकदमा, जानिए पूरा मामला

नई दिल्ली. आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी पर पूर्व भारतीय सिख मॉडल गुरप्रीत गिल माग ने 50 करोड़ रुपये का मुकदमा दायर किया है। गुरप्रीत का दावा है कि मोदी ने उनकी कैंसर उपचार कंपनी आयन केयर में .2 मिलियन (14 करोड़ रुपये) का निवेश करने के लिए उन्हें धोखा दिया। कंपनी को 2019 में बंद कर दिया गया था, गुरप्रीत ने .1 मिलियन (7.5 करोड़ रुपये) के नुकसान का दावा किया था।रिपोर्ट्स के अनुसार लंदन हाई कोर्ट में केस दायर किया गया है। गुरप्रीत गिल के दावे के मुताबिक पूर्व आईपीएल अध्यक्ष ने उन्हें अपनी कंपनी में निवेश करवाने के लिए गुमराह किया है।

गिल ने आरोप लगाया है कि मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रिंस एंड्रयू, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान और थाईलैंड के पूर्व पीएम थाकसिन शिनावात्रा जैसे विश्व नेताओं ने उनकी कैंसर उपचार कंपनी आयन केयर में निवेश किया था।अदालत में मौजूद माग ने आरोप लगाया कि ललित मोदी ने उसे आयन केयर में .2 मिलियन (14 करोड़ रुपये) का निवेश करने के लिए राजी किया, जिसके बाद उन्हें .1 मिलियन (7 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ है। माग का वादा है 13 से 14 अप्रैल, 2018 के बीच दुबई के फोर सीजन्स होटल में उनके पति डेनियल के साथ ललित की चार घंटे की मीटिंग हुई थी। इस दौरान उन्हें कंपनी में .2 मिलियन का निवेश करने के लिए राजी किया गया था।

विराट कोहली ने युवराज के इमोशनल चिट्ठी का दिया प्यारा सा जवाब, 'कैंसर से आपकी वापसी सभी लोगों के लिए प्रेरणा'

नई दिल्ली. भारतीय टीम के पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने मंगलवार को विराट कोहली के लिए एक स्पेशल चिट्ठी लिखी थी। जिसमें उन्होंने लिखा कि तू हमेशा मेरे लिए चीकू ही रहेगा और दुनिया के लिए किंग कोहली। वहीं इस चिट्ठी का अब विराट कोहली ने अपने अंदाज में जवाब दिया और युवराज को लेटर भेजने के लिए धन्यवाद दिया है। विराट कोहली इस समय भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें आगामी श्रीलंका टी20 सीरीज के लिए आराम दिया गया है। विराट कोहली ने सितंबर 2021 से जनवरी 2022 के बीच में भारत की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी है। विराट कोहली ने ट्विटर पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, युवी पा इस प्यारे से लेटर के लिए धन्यवाद। कैंसर से आपकी वापसी सिर्फ क्रिकेट से जुड़े लोगों के लिए ही नहीं बल्कि अन्य लोगों के लिए एक प्रेरणा होगी। आप हमेशा दरियादल रहे हैं और आप अपने आस-पास के लोगों की देखभाल करते हैं। मैं आपके खुशियों की कामना करता हूं, भगवान भला करे, रब राखाइससे पहले युवराज सिंह ने अपनी चिट्ठी में लिखा, विराट, मैंने आपको क्रिकेटर और एक इंसान के तौर पर ग्रो होते हुए देखा है। एक यंग लड़का, जो नेट्स पर दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलता था, वह अब खुद नई जनरेशन के लिए लीजेंड बन गया है। फील्ड पर तुम्हारा पैशन और अनुशासन और इस खेल के प्रति तुम्हारा समर्पण देश के हर युवा को बैट उठाकर ब्लू जर्सी में खेलने के लिए इंस्पायर करता है। तुमने हर साल अपने क्रिकेट के लेवल को बढ़ाया है और इस शानदार खेल में कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हो। तुम महान कप्तान और जबर्दस्त लीडर रहे हो।युवराज ने आगे लिखा, मैं तुम्हारे और भी कई रन चेज देखना चाहता हूं। मैं इस बात से खुश हूं कि हमने एक साथी खिलाड़ी और दोस्त का रिश्ता बनाया है। साथ रन बनाना, लोगों की टांगे खींचना, चीटिंग मील्स, पंजाबी गानों पर डांस करना और साथ में खिताब जीतना, हमने यह सबकुछ साथ किया है। मेरे लिए तू हमेशा चीकू रहेगा और दुनिया के लिए किंग कोहली। हमेशा अपने अंदर वह आग जलाए रखना। तुम सुपरस्टार हो, तुम्हारे लिए खास गोल्डन बूट, अपने देश को ऐसे ही गौरवान्वित करते रहना।

IND vs SL: लगभग 3 महीने बाद वापसी कर रहे रविंद्र जडेजा, भारतीय टीम के साथ जुड़ने पर हैं खुश,

नई दिल्ली वेस्टइंडीज को घरेलू मैदान पर वनडे और टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप करने के बाद रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम गुरुवार से श्रीलंका से भिड़ने के लिए तैयार है। भारतीय क्रिकेट टीम ने अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में मंगलवार को चार घंटे तक कड़ा अभ्यास किया। कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने खिलाड़ियों के अभ्यास पर नजदीकी नजर रखी। भारत को इस मैदान पर श्रीलंका से 24 फरवरी को पहला टी 20 मैच खेलना है।

इस सीरीज के साथ रवींद्र जडेजा लगभग 3 महीने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। बीसीसीआई ने रविंद्र जडेजा के ट्रेनिंग सेशन का एक वीडियो अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किया है, जिसमें जडेजा ने कहा है कि वह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज को लेकर काफी उत्साहित हैं।

रविंद्र जडेजा ने कहा, भारतीय टीम में वापस आकर अच्छा लग रहा है। टी20 और टेस्ट सीरीज खेलने की ओर देख रहा हूं। बहुत ही अच्छा लग रहा है और उत्साहित हूं कि ढाई महीने बाद भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिल रहा है। इसलिए मैंने अपना रिहैब अच्छे से किया और एनसीए में फिटनेस पर भी काफी काम किया।

उन्होंने कहा, इस सीरीज का पार्ट बनकर अच्छा लग रहा है। मैं लगभग 2 महीने से ज्यादा के बाद खेल रहा हूं। मैं अच्छी लय में हूं और आज पहला प्रैक्टिस सेशन करके और अच्छा लग रहा है।

वर्ल्डकप में खेला था आखिरी टी20 मैच

रविंद्र जडेजा ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच नवंबर 2021 में खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट मैच खेलने के बाद से जडेजा टीम से बाहर चल रहे हैं।

जडेजा ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2021 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान नामीबिया के खिलाफ खेला था, इसके बाद न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज के खिलाफ वह टी20 सीरीज नहीं खेल पाए थे।

भारतीय खिलाड़ियों ने दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक धूप के बीच चार घंटे तक लगातार अभ्यास किया। इस दौरान रोहित शर्मा और ईशान किशन ने सबसे ज्यादा देर तक प्रैक्टिस की। रोहित को जसप्रीत बुमराह और युजवेंद्र चहल ने नेट प्रैक्टिस कराई।

Ranji Trophy: भारतीय टीम से ड्रॉप किए रहाणे और पुजारा पर होगी निगाहें, इन खिलाड़ियों के पास बड़ा मौका

नई दिल्ली. भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए गए अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा के प्रदर्शन पर कल से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के ग्रुप चरण के दूसरे दौर के मैचों के दौरान फिर से सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

मुंबई की टीम एलीट ग्रुप डी में गोवा का सामना करेगी जिसमें रहाणे बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे। रहाणे ने सौराष्ट्र के खिलाफ पहले मैच में 129 रन बनाए थे लेकिन इसके बावजूद उन्हें श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया।

यह मैच ड्रॉ छूटा था जिसमें पुजारा पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहे थे लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने 91 रन की बड़ी पारी खेली थी। पुजारा फिर से राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने के लिए ओड़िशा के खिलाफ होने वाले मैच में बड़ी पारी खेलने का प्रयास करेंगे।

मुंबई और गोवा के मैच में युवा बल्लेबाज सरफराज खान पर भी निगाहें टिकी रहेंगी, जिन्होंने पिछले मैच में 275 रन की बड़ी पारी खेली थी। मुंबई इस मैच में पूरे अंक हासिल करने की भी कोशिश करेगा।उधर गुवाहाटी में दिल्ली और झारखंड के बीच ग्रुप एच के मैच में भारतीय टीम से बाहर किये गये एक अन्य

खिलाड़ी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा के अलावा युवा सलामी बल्लेबाज यश धुल पर सभी का ध्यान रहेगा। इशांत पहले रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलना चाहते थे लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में नहीं चुने जाने के बाद उन्होंने अपना मन बदल दिया था। वह पहले मैच में नहीं खेल पाये थे। भारत की अंडर 19 टीम के कप्तान धुल ने तमिलनाडु के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में ही दोनों पारियों में शतक जड़ने का कारनामा किया था और वह अपनी इस शानदार फॉर्म को बरकरार रखकर दिल्ली को पूरे अंक दिलवाने में अहम योगदान देना चाहेंगे। ग्रुप एच का अन्य मैच तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ के बीच खेला जाएगा। तमिलनाडु के शाहरूख खान ने पिछले मैच में 194 रन की धमाकेदार पारी खेली थी और इस मैच में भी वह आकर्षण का केंद्र होंगे। छत्तीसगढ़ ने पिछले मैच में झारखंड को आठ विकेट से हराया था.

ऋषभ पंत की टीम दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बनेंगे अजीत आगरकर, संभालेंगे ये जिम्मेदारी

नई दिल्ल. पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अजीत आगरकर असिस्टेंट कोच के रूप में दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़ने जा रहे हैं। क्रिकइंफ़ो को पता चला है कि आगरकर प्रमुख कोच रिकी पोंटिंग के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ में कई भूमिकाएं निभाएंगे। वह कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत, कोच पोंटिंग, बल्लेबाज़ी कोच प्रवीण आमरे तथा गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स के साथ नेतृत्व ग्रुप का हिस्सा भी होंगे।

दिल्ली कैपिटल्स ने 2021 सीजन तक सहायक कोच की भूमिका निभाने वाले मोहम्मद कैफ और अजय रात्रा को नए करार नहीं सौंपे हैं। जहां कैफ 2019 से टीम के साथ बने हुए थे, रात्रा को पिछले सीजन कोचिंग स्टाफ में जोड़ा गया था।

समझा जा रहा है कि आगरकर, जो इस समय स्टार स्पोर्ट्स की ब्रॉडकास्टिंग टीम का हिस्सा हैं, भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली घरेलू सीरीज के समापन के बाद कैपिटल्स के समूह में शामिल होंगे। तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैचों वाला यह दौरा 16 मार्च तक चलेगा।

यह पहला मौका होगा जब आगरकर किसी भी प्रकार की कोचिंग भूमिका में नजर आएंगे। 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले 44 वर्षीय आगरकर ने आख़िरी बार 2007 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। अपनी बढ़िया तेज गेंदबाजी से आगरकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में करीबन 350 विकेट झटके। अपने अंतिम घरेलू सीजन, 2012-13, में आगरकर ने पहली बार रणजी ट्रॉफ़ी में मुंबई की कप्तानी की और उन्हें चैंपियन बनाया।

2008 से 2010 तक कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने के बाद 2011 से 2013 के बीच आगरकर दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) का हिस्सा थे।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले तीन सीज़नों में प्ले-ऑफ में जगह बनाकर कैपिटल्स इस लीग की सबसे सुसंगत और सफल टीमों में से एक रही है। 2020 में उन्होंने पहली बार इस प्रतियोगिता के फ़ाइनल में प्रवेश किया जहां मुंबई इंडियंस के हाथों उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

हाल ही में संपन्न हुई आईपीएल की बड़ी नीलामी में कैपिटल्स ने भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर (पौने 11 करोड़), अनुभवी डेविड वॉर्नर (सवा 6 करोड़), ऑलराउंडर मिचेल मार्श (साढ़े 6 करोड़), चेतन साकरिया (4 करोड़ 20 लाख), कुलदीप यादव (2 करोड़) और आक्रामक रोवमन पॉवेल (2 करोड़ 80 लाख) को अपनी टीम में शामिल किया। इस नीलामी से पहले कैपिटल्स ने पंत, अक्षर पटेल, पृथ्वी शॉ और एनरिक नोर्खिया को रिटेन किया था।

T20 World Cup: यूएई और आयरलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ल. यूएई और आयरलैंड ने मंगलवार को ओमान के अल अमीरात में क्वालीफायर ए टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाकर ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेट विश्व कप का टिकट कटा लिया। यूएई ने नेपाल के तीन मैच के जीत के अभियान पर रोक लगाते हुए 68 रन से जीत दर्ज की जबकि आयरलैंड ने ओमान को 56 रन से हराया। ओमान ने दूसरी बार टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है। इससे पहले टीम 2014 में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खेली थी।क्वालीफायर ए में हिस्सा ले रहा एकमात्र पूर्ण सदस्य देश आयरलैंड सातवीं बार टी20 विश्व कप में खेलेगा। ये दोनों टीम इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टूर्नामेंट की 13वीं और 14वीं टीम होगी। अंतिम दो टीम जुलाई में होने वाले क्वालीफायर बी से टी20 विश्व कप में जगह बनाएंगी।

यूएई के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल की शुरुआत खराब रही। तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दिकी ने तीन ओवर के अपने स्पैल में तीन विकेट चटकाकर नेपाल के शीर्ष क्रम को ध्वस्त किया। उन्होंने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज आसिफ शेख और लोकेश बाम को लगातार गेंद में आउट करके नेपाल का स्कोर तीन रन पर दो विकेट किया।सिद्दिकी ने अपने दूसरे ओवर में फॉर्म में चल रहे कुशाल भुर्तेल को पवेलियन भेजा। यूएई के कप्तान अहमद रजा ने 13वें ओवर में नेपाल को दोहरे झटके देकर उसका स्कोर छह विकेट पर 83 रन किया।मैन ऑफ द मैच रजा ने पारी में पांच विकेट चटकाए जिससे नेपाल की टीम 107 रन पर ढेर हो गई। दीपेंद्र सिंह ऐरी (38) की ओर से शीर्ष स्कोर रहे। इससे पहले यूएई ने वी अरविंद की 23 गेंद में 46 रन की तूफानी पारी से मजबूत स्कोर खड़ा किया।दूसरी तरफ आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गेरेथ डेलानी की 32 गेंद में 47 रन की पारी से सात विकेट पर 165 रन बनाए। पॉल स्टर्लिंग और एंड्रय बॉलबिर्नी की अनुभवी सलामी जोड़ी नाकाम रही। डेलानी और हैरी टेक्टर ने चौथे विकेट के लिए 82 रन जोड़कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। इसके जवाब में ओमान की टीम 18.3 ओवर में 109 रन पर ढेर हो गई।गुरुवार को यूएई और आयरलैंड के बीच होने वाले फाइनल की विजेता टीम विश्व कप के पहले दौर में ग्रुप एक में जगह बनाएगी। इस ग्रुप में श्रीलंका और नामीबिया हैं जबकि चौथी टीम का फैसला जून में क्वालीफायर बी से होगा। गुरुवार की उप विजेता टीम ग्रुप दो में वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड से जुड़ेगी। क्वालीफायर बी का विजेता ग्रुप दो में जगह बनाएगा।

यूक्रेन का छलका दर्द, कहा- अमेरिका-रूस मिलकर दबाव नहीं बनाते तो हमारे पास होते परमाणु हथियार

कीव. यूक्रेन के विदेश मंत्री डिमिट्रो कुलेबा ने मंगलवार को कहा कि यदि अमेरिका और रूस मिलकर दबाव नहीं बनाते तो यूक्रेन के परमाणु हथियारों के लिए बेहतर रास्ता ढूंढा जा सकता था। कुलेबा से मंगलवार को फॉक्स न्यूज के एक साक्षात्कार के दौरान पूछा गया कि क्या यूक्रेन के लिए अपने परमाणु हथियार छोड़ने का कदम गलत था, जिसके जवाब में उन्होंने कहा, यदि अमेरिका ने रूस के साथ मिलकर यूक्रेन को उसके परमाणु हथियारों से वंचित करने की स्थिति नहीं अपनाई होती तो एक बेहतर नर्णिय पर विचार किया जा सकता था। यूक्रेन 1994 में अपने क्षेत्र से परमाणु हथियारों को खत्म करने और परमाणु हथियार अप्रसार संधि में शामिल होने के लिए सहमत हुआ था।

एम्स्टर्डम: एप्पल स्टोर में होस्टेज ड्रामा, बंदूकधारी ने कई को बनाया बंधक; कुछ भाग निकले

एम्स्टर्डम. नीदरलैंड के एम्स्टर्डम (Amsterdam) के डाउनटाउन स्क्वायर स्थित एक एप्पल स्टोर (Apple Store) में बंदूकधारी युवक (Gunman) ने लोगों को बंधक बना रखा है. कुछ बंधकों के उसकी गिरफ्त से भाग निकलने की भी खबर है. पुलिस ने इस बारे में ज्यादा कुछ बताने से इनकार कर दिया है. उसकी तरफ से केवल इतना कहा गया है कि मंगलवार को कथित तौर पर एप्पल स्टोर में एक बंदूकधारी को देखा गया था, जिसके बाद अधिकारियों ने घटनास्थल को घेर लिया.

पुलिस ने खाली कराया स्क्वायर

एम्सटर्डम पुलिस विभाग (Amsterdam Police Department) ने ट्विटर पर एक बयान में कहा, दुकान में बंदूक लिए एक युवक की सूचना मिली थी, स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए पुलिस कई इकाइयों के साथ मौके पर है. पुलिस ने स्क्वायर खाली करा लिया है और बाकी लोगों से अपील की है कि वो बाहर न निकलें.

वायरल हो रहीं तस्वीरें

सोशल मीडिया (Social Media) पर वायरल हो रहीं तस्वीरों में एक शख्स को बंदूक की नोक पर एक निहत्थे व्यक्ति को पकड़े हुए दिखाया गया है. स्थानीय मीडिया के मुताबिक, कई चश्मदीदों ने एप्पल स्टोर के अंदर गोलियों की आवाज सुनी है. हालांकि, अभी पूरी तरह यह भी साफ नहीं है कि स्टोर के अंदर कितने लोग थे. पुलिस को हथियार के बल पर डकैती की सूचना मिली थी.

बेलारूस में संवैधानिक जनमत संग्रह के मतदान शुरू

मिन्स्क. बेलारूसी संविधान में संशोधन पर एक राष्ट्रव्यापी जनमत संग्रह के लिए प्रारंभिक मतदान शुरू हो गया है, जो शनिवार तक चलेगा।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यदि आधे से अधिक योग्य मतदाताओं ने मतदान किया तो जनमत संग्रह को वैध माना जाएगा।बैलेट पेपर पर लिखा गया प्रश्न है: क्या आप बेलारूस गणराज्य के संविधान में संशोधन और परिवर्धन स्वीकार करते हैं?देश में 5,000 से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए हैं और मुख्य मतदान दिवस 27 फरवरी को है।

27 दिसंबर, 2021 को राष्ट्रव्यापी चर्चा के लिए संविधान का मसौदा पेश किया गया था।मसौदा ऑल-बेलारूसी पीपुल्स असेंबली की शक्तियों का विस्तार करता है, और गैर-परमाणु और तटस्थ खंडों को हटा देता है।

रूस-अमेरिका के विदेश मंत्रियों की बैठक रद्द, जेलेंस्की ने की यूक्रेन में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की घोषणा

दुनिया.अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने कहा कि रूस द्वारा यूक्रेन के अलगाववादी क्षेत्रों को स्वतंत्र क्षेत्र के तौर पर मान्यता देने के बाद उन्होंने जिनेवा में अपने रूसी समकक्ष के साथ होने वाली बैठक रद्द कर दी है। ब्लिंकन ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि रूस की कार्रवाई दर्शाती है कि वह मौजूदा संकट के समाधान के वास्ते कूटनीतिक रास्ता अपनाने को लेकर गंभीर नहीं है। इसलिए उन्होंने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बृहस्पतिवार को होने वाली बैठक रद्द कर दी है। ब्लिंकन ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र की स्वतंत्रता को मान्यता देने का निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि वहां रूसी सैनिकों की तैनाती एक आक्रमण की शुरुआत थी। विदेश मंत्री ने हालांकि कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान की आशा व्यक्त की, उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि इस समय लावरोव के साथ बैठक सार्थक साबित होगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने की अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की घोषणा

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार रात घोषणा की कि रूस के आक्रमण करने की आशंका के चलते वह देश के कुछ आरक्षित सैनिकों को तैनाती के लिए बुला रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पूर्ण सैन्य लामबंदी की अभी कोई आवश्यकता नहीं है। राष्ट्रपति ने राष्ट्र को एक वीडियो के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि उनका आदेश केवल तथाकथित रिज़र्व सैनिकों पर लागू होता है, जो आम तौर पर संकट के समय सक्रिय हो जाते हैं और " एक निश्चित समय के लिए सक्रिय रहते हैं।"

जेलेंस्की ने इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा, अभी पूर्ण सैन्य लामबंदी की जरूरत नहीं है। हमें यूक्रेन की सेना और अन्य सैन्य संरचनाओं में अतिरिक्त सैनिकों को शामिल करने की जरूरत है। यूक्रेन के सशस्त्र बलों में लगभग 250,000 सैनिक हैं और कुछ 140,000 सैनिकों को रिज़र्व (तैनाती के लिए तैयार) में रखा गया हैं।

इमरान खान ने पीएम मोदी से बहस करने की जताई इच्छा तो कांग्रेस नेताओं ने दिया जवाब

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अपने बड़बोलेपन के लिए भी जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लिए दिए गए उनके बयान पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें जवाब दिया है। दरअसल रूस दौरे से पहले एक रूसी टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी से टीवी पर डिबेट करना मुझे बहुत अच्छा लगेगा।शशि थरूर ने इमरान खान की इस बात पर कहा, बहस करना लड़ाई करने से ज्यादा अच्छा है लेकिन भारत के टीवी चैनलों पर तो इससे कोई नतीजा निकलता नहीं है। केवल विवाद बढ़ता है।कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने ट्वीट करके कहा, एक टीवी डिबेट के माध्यम से पाकिस्तान में पल रहे आतंकवाद से कैसे निपटा जा सकता है। आप गंभीर तो हैं? कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, मेरे राजनीतिक मतभेद होते हुए भी मैं नहीं चाहता कि हमारे प्रधानमंत्री पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से टीवी डिबेट करें। इससे आतंकवाद का व्यापार करने वाले पाकिस्तान को नैतिक धरातल मिल जाएगा। वह पहले की ही तरह झूठ बोलेगा। बता दें कि इस इंटरव्यू में इमरान खान ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पहल के बावजूद भारत की तरफ से बातचीत की कोशिश नहीं की गई। उन्होंने कहा, जब मेरी पार्टी सत्ता में आई तभी मैंने भारत की तरफ हाथ बढ़ाया। मैंने कहा कि बातचीत करके मसले का हल निकालते हैं। मैंने भारत के साथ 10 साल क्रिकेट खेला लेकिन जब दोस्ती का हाथ बढ़ाया तो लगा कि अब वह भारत नहीं है। वहां एक उग्र विचारधारा का कब्जा हो चुका है।

इमरान खान 23 फरवरी को रूस की यात्रा पर जाने वाले हैं। वह दो दिने के दौरे पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात करेंगे। दो दशक में यह किसी पाकिस्तानी नेता की पहली रूस यात्रा है। इमरान से यूक्रेन पर भी सवाल पूछा गया था।

Russia Ukraine Tension: कंप्यूटर, सेमी कंडक्टर, एयरक्राफ्ट तक के लिए तरस जाएगा रूस, कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की तैयारी में अमेरिका

वॉशिंगटन. यूक्रेन पर रूसी हमले की आशंका के बीच अमेरिका ने भी बड़ी तैयारी कर ली है। यदि रूस की ओर से यूक्रेन पर अटैक किया जाता है तो बाइडेन प्रशासन की ओर से टेक प्रोडक्ट्स की सप्लाई पर रोक लगाई जा सकती है। कॉमर्शियल इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सेमीकंडक्टर्स और एयरक्राफ्ट के पार्ट्स की सप्लाई इससे प्रभावित हो सकती है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि अमेरिका की ओर से उन कंपनियों के प्रोडक्ट्स की सप्लाई रोक लगाई जा सकती है, जिनके एक्सपोर्ट के लिए कंपनियों को अमेरिकी सरकार से मंजूरी लेनी होती है। इन लाइसेंसों की मंजूरी बाइडेन प्रशासन खारिज कर सकता है। अमेरिका की रणनीति यह है कि लेजर, टेलिकॉम इक्विपमेंट्स से लेकर मैरीटाइम आइटम्स तक की सप्लाई पर रोक लगा दी जाए। मंगलवार को बाइडेन प्रशासन ने रूस पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें यह शामिल नहीं है। अमेरिकी सरकार के एक अधिकारी ने कहा, यदि पुतिन यूक्रेन से जंग में आगे बढ़ते हैं तो फिर हम भी आगे बढ़ेंगे। हमारी तरफ से आर्थिक प्रतिबंधों को लागू किया जा सकता है। इसके साथ ही एक्सपोर्ट पर भी कंट्रोल

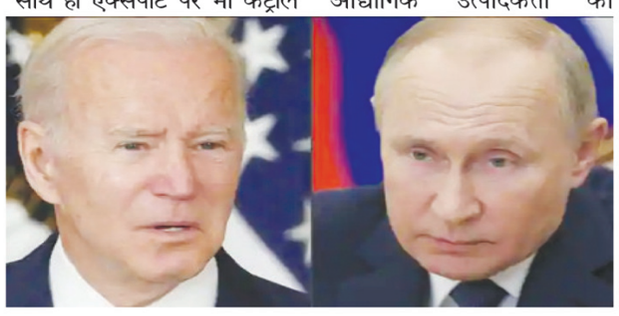

हो सकता है। अभी हम इस पर ऐलान करने वाले हैं। अधिकारी ने कहा कि हम यह जानने की कोशिशकर रहे हैं कि कौन सी तकनीकी चीजों की जरूरत रूस को ज्यादा है। उन पर हम रोक लगाएंगे ताकि वह ज्यादा प्रभावित है। यही नहीं अमेरिका की रणनीति दूसरे देशों को भी इन प्रतिबंधों में साथ लाने की है। अमेरिकी अफसर ने कहा, बड़ी संख्या में हमने देशों की लिस्ट तैयार की है, जो एक्सपोर्ट कंट्रोल के नियमों को लागू करेंगे। दरअसल अमेरिका की रणनीति यह है कि युद्ध की स्थिति में रूस की औद्योगिक उत्पादकता को प्रतिबंधों के जरिए कमजोर किया जा सके। खासतौर पर तकनीकी मामलों में रूस पर इन प्रतिबंधों को लगाने की तैयारी की जा रही है।

खुलकर अमेरिका के पाले में जापान, रूस पर लगाए प्रतिबंध

इस बीच जापान ने भी रूस पर कई पाबंदियां लगाने का ऐलान कर दिया है। जापान में रूसी बॉन्डों को जारी करने पर लगा दी गई है। इसके अलावा कई रूसी नागरिकों की संपत्तियों को भी फ्रीज कर दिया गया है। यही नहीं जापान आने-जाने पर भी रोक लगाई गई है। जापान ने कहा कि रूस ने यूक्रेन की संप्रभुता पर हमला किया है और अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन किया है। हम इन कदमों कती कड़ी निंदा करते हैं और रूस से अपील करते हैं कि वह कूटनीतिक तरीकों से मसलों का हल करने पर विचार करे।

कनाडा से भी रूस को लगा झटका, पाबंदियों का ऐलान

कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने मंगलवार को रूस पर पहले राउंड की पाबंदियों का ऐलान कर दिया। आने वाले दिनों में ऐसी रोक और बढ़ाई जा सकती हैं।

ट्रूडो ने कहा कि हमारी सरकार ने फैसला लिया है कि रूस ने यूक्रेन के जिन प्रांतों को स्वतंत्र घोषित किया है,

जर्मनी ने नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन की प्रक्रिया रोकी

बर्लिन. जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने यूक्रेन पर रूस की कार्रवाई का हवाला देते हुए नॉर्ड स्ट्रीम 2 प्राकृतिक गैस पाइपलाइन की प्रक्रिया को स्थगित करने की घोषणा की है।

उन्होंने मंगलवार को मीडिया से कहा, आज की स्थिति मौलिक रूप से बदल गई है।हम उस स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करेंगे जो पिछले कुछ दिनों में विकसित हुई है।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्कोल्ज ने कहा कि नॉर्ड स्ट्रीम 2 की प्रक्रिया को रोकने के लिए यह एक आवश्यक प्रशासनिक कदम है। उन्होंने आगे कहा, मैंने मंगलवार को अर्थव्यवस्था मंत्रालय से फेडरल नेटवर्क एजेंसी में आपूर्ति सुरक्षा के विश्लेषण पर मौजूदा रिपोर्ट को वापस लेने के लिए कहा है।उन्होंने कहा कि आर्थिक मामलों का मंत्रालय अब पिछले दिनों के घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए आपूर्ति की सुरक्षा का नया आकलन करेगा।

स्कोल्ज ने कहा, लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (एलपीआर) और डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर) को स्वतंत्र राज्यों के रूप में मान्यता देने का रूस का निर्णय अंतर्राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है, जिसने मिन्स्क समझौतों और संयुक्त राष्ट्र के चर्टर का उल्लंघन किया है।जर्मन चांसलर ने कहा कि अब आगे बढ़ने और इस तरह एक तबाही को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे सभी राजनयिक प्रयासों का उद्देश्य यही है।नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन से बाल्टिक सागर के माध्यम से रूस से जर्मनी तक सालाना 55 अरब क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस के परिवहन की उम्मीद है। हालांकि, 1,234 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बेकार पड़ी है, जो जर्मनी और यूरोपीय संघ से आगे बढ़ने के लिए लंबित है।

कोलंबिया की संवैधानिक अदालत ने गर्भपात को अपराध मुक्त किया

बोगोटा

कोलंबिया में अब गर्भपात कराने को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है। कोलंबिया की संवैधानिक अदालत ने इसे अभी सिर्फ लैटिन अमेरिकी देश कोलंबिया में लागू किया है। इस समय लैटिन अमेरिका के विभिन्न देशों में फिलहाल गर्भपात को लेकर अलग-अलग कानून हैं।

कोलंबिया के संवैधानिक न्यायालय ने सोमवार को फैसला सुनाया कि गर्भपात केवल तभी दंडनीय होना चाहिए जब गर्भावस्था के 24वें सप्ताह के बाद किया जाए। 2006 में कोलंबिया ने आंशिक रूप से गर्भपात को वैध कर दिया था, जब एक कोर्ट ने तीन स्थितियों में गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति दी थी। इन तीन स्थितियों में बलात्कार या यौन शोषण के मामले में, घातक भ्रूण के मामले में असामान्यता और गर्भावस्था में मां के शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य को खतरा होने को शामिल किया गया था। कोलंबिया की संवैधानिक अदालत ने कहा कि इन तीन स्थितियों में कोई समय सीमा नहीं होगी। इसी के साथ अदालत ने कोलंबियाई सरकार से भी तत्काल गर्भवती महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सार्वजनिक नीति बनाने के लिए कहा।

मेक्सिको के सुप्रीम कोर्ट ने भी पिछले साल गर्भपात प्रतिबंध को असंवैधानिक करार दिया था। इक्वाडोर की संसद एक कानून पारित करके बलात्कार के मामले में गर्भपात की अनुमति दे चुकी है। अर्जेंटीना की संसद ने गर्भावस्था के 14वें सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति देने वाला एक कानून पिछले साल के अंत में पास किया था।

आयरलैंड के लोगों को मिलने वाली है मास्क पहनने से छूट, 28 फरवरी से कोविड-19 नियमों में होंगे ये बड़े बदलाव

डबलिन. वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से बचाव के लिए दुनिया भर में कोविड-19 प्रतिबंध लगाए गए, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाना अनिवार्य नियम है। लेकिन अब आयरलैंड के लोगों को मास्क पहने की अनिवार्यता से छूट मिलने वाली है। 28 फरवरी से शुरु होने वाले इनडोर सार्वजनिक सुविधाओं और सार्वजनिक परिवहन पर अनिवार्य मास्क पहनने के नियमों को देश हटा देगा। यह जानकारी मंगलवार को आयरिश सरकार ने दी।

क्या कहा सरकार ने

आयरलैंड सरकार ने एक बयान में कहा कि देशभर में कोविड-19 नियमों में छूट दी जाएगी। इस बीच, प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के साथ-साथ प्रारंभिक शिक्षा और स्कूली बच्चों की देखभाल की सुविधाओं में वर्तमान में मौजूद विशिष्ट सुरक्षात्मक उपायों को भी हटा दिया जाएगा। साथ ही सरकार के बयान में आगे कहा गया कि स्थानीय प्राथमिक, माध्यमिक और प्री-स्कूल के बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से विशेष उपायों में पाड्स और सोशल डिस्टेंसिंग शामिल हैं। आपको बता दें कि पाड्स इस अभ्यास को कहते हैं, जिसमें किसी गतिविधि में भाग लेते समय छात्रों को सीमित संख्या में समूहीकृत किया जाता है।यही नहीं बयान में यह भी कहा गया है कि इस महीने के अंत से, जिन लोगों में COVID-19 के लक्षण दिखाई देंगे, उन्हें अब परीक्षण करने की आवश्यकता नहीं होगी। हां लेकिन गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और उच्च जोखिम वाली चिकित्सा स्थिति वाले या प्रतिरक्षाविहीन लोगों का परीक्षण किया जाएगा। सरकार ने कहा कि जिन लोगों में COVID-19

के लक्षण दिखाई देते हैं, वे लोग उससे बाहर आने के लिए और दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए 48 घंटे के बाद तक खुद को सबसे अलग-थलग रखें। सरकार ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि अब स्वास्थ्य कर्मियों को छोड़कर परीक्षण करने की आवश्यकता नहीं होगी।बता दें कि आयरलैंड सरकार द्वारा घोषित इन सभी नियमों को लागू होने के बाद देश से लगभग सभी कोविड-19 प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे।

आयरिश स्वास्थ्य मंत्री स्टीफन डोनेली ने कहा

आयरिश स्वास्थ्य मंत्री स्टीफन डोनेली ने मंगलवार को स्थानीय मीडिया को बताया कि उनका मानना है कि आयरलैंड में महामारी के वर्तमान प्रक्षेपवक्र के साथ-साथ देश में टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति के आधार पर सरकार के लिए शेष प्रतिबंधों में से अधिकांश को हटाना उचित है।

COVID-19 दैनिक मामलों में कमी

22 जनवरी को आयरिश सरकार द्वारा COVID-19 प्रतिबंधों को कठोर रूप से हटाने के बाद, देश में गहन देखभाल इकाइयों में COVID-19 मामलों, अस्पतालों और रोगियों की दैनिक संख्या अधिकांश के लिए बहुत निचले स्तर पर बनी हुई है।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

211019 से प्रकाशित

स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा

विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा प्रयागराज

से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान

झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506

यूक्रेन के एक सैनिक की मौत, 6 घायल, अमेरिका के बाद, जापान ने भी लगाया प्रतिबंध

कीव

यूक्रेन की सेना ने बुधवार को कहा कि रूस समर्थक अलगाववादियों की पिछले 24 घंटों में पूर्वी यूक्रेन में की गई गोलाबारी में एक सैनिक की मौत हो गई और छह घायल हो गए। इस समय संघर्ष विराम उल्लंघन उच्च स्तर पर है। वहीं रूस द्वारा पूर्वी यूक्रेन के दो प्रांतों को स्वतंत्र देशों की मान्यता देने के बाद कई पश्चिमी देशों, अमेरिका के बाद अब जापान ने भी रूस पर प्रतिबंध लगा दिया है। सेना ने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि उसने एक दिन पहले 84 की तुलना में पिछले 24 घंटों में अलगाववादियों द्वारा गोलाबारी की 96 घटनाएं दर्ज की हैं। इसमें कहा गया कि अलगाववादी ताकतों ने भारी तोपखाने, मोर्टार और ग्रेड रॉकेट सिस्टम का इस्तेमाल किया। यूक्रेन ने रूस पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसने इसका इस्तेमाल पूर्वी यूक्रेन को औपचारिक रूप से स्वतंत्र रूप से मान्यता देने और अपने सैनिकों को इस क्षेत्र में स्थानांतरित करने के बहाने के रूप में किया, जिससे एक संकट पैदा हो गया कि पश्चिम के डर से एक बड़ा युद्ध शुरू हो सकता है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बुधवार को कहा कि हमारी सरकार जापान में रूस के सरकारी बांड को जारी करने और वितरण पर बैन लगाएगी।

मॉडल का आरोप, काम के लिए एजेंसी के डायरेक्टर के साथ सोने को मजबूर किया गया

वॉशिंगटन. ग्लैमर इंडस्ट्री के काले राज को एक अमेरिकी मॉडल (**US Model**) ने उजागर किया है. यूएस की टॉप मॉडल्स में शुमार रहीं निक्की डुबोस (Nikki DuBose) ने आरोप लगाया है कि मॉडलिंग का काम पाने के बदले उन्हें अपनी एजेंसी के डायरेक्टर के साथ संबंध बनाने पर मजबूर किया गया था. मॉडल ने कहा कि जब उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया तो उन्हें काम मिलना बंद हो गया.

वजन घटाने का भी था दबाव

निक्की डुबोस को साल 2000-2005 के दौरान ग्लैमर इंडस्ट्री की टॉप मॉडल्स (Top Models) में गिना जाता था. वो मैक्सिम और ग्लैमर जैसी मैगजीन के कवर पेज पर भी आ चुकी हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में अमेरिकी मॉडल ने अपनी जिंदगी के बुरे अनुभवों के बारे में विस्तार से बताया. निक्की ने यह भी कहा कि एजेंसी ने उनके इटिंग डिस्ऑर्डर का फायदा उठाया और उनकी मेंटल-फिजिकल हेल्थ की परवाह नहीं की. निक्की ने आरोप लगाया कि उन पर पतला दिखने के लिए दबाव डाला गया